website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 98 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 19 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

गुजरात विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

- **बजट सत्र के बीच मचा हड़कंप**

गांधीनगर। गांधीनगर स्थित गुजरात विधानसभा परिसर में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बजट सत्र शुरू होने से ठीक पहले बम की धमकी मिलने की खबर सामने आई। अधिकारियों के अनुसार यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई थी, जिसमें विधानसभा भवन में बम लगाए जाने का दावा किया गया था। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 8:45 बजे अधिकारियों

को इस धमकी भरे ईमेल की सूचना मिली, जबकि विधानसभा की कार्यवाही सुबह 9 बजे शुरू होनी थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और एहतियातन पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। सभी विधायकों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। पुलिस उपाधीक्षक पीयूष वांडा ने बताया कि ईमेल में स्पष्ट रूप से बम होने की बात कही गई थी, जिसके चलते कोई जोखिम न लेते हुए तुरंत कार्रवाई की गई। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाकर पूरे परिसर की गहन जांच कराई गई। हालांकि शुरुआती जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। घटना के बाद साइबर क्राइम टीम को भी जांच में लगाया गया है, ताकि ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। बाद में स्थिति सामान्य होने पर विधानसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल कोई वास्तविक खतरा नहीं पाया गया है, लेकिन जांच जारी है।

पश्चिम एशिया से एयर इंडिया की बड़ी पहल

- **18 मार्च को 50 उड़ानें संचालित**

नई दिल्ली। एयर इंडिया ग्रुप ने पश्चिम एशिया से भारत आने-जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ा कदम उठाया है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर 18 मार्च 2026 को कुल 50 उड़ानें (नियमित और अतिरिक्त) संचालित करेंगे। यह फैसला

क्षेत्र में बढ़ती यात्री मांग और मौजूदा हालात को देखते हुए लिया गया है। इस दिन जेद्दा और मस्कट से नियमित उड़ानें जारी रहेंगी। जेद्दा-भारत मार्ग पर कुल 14 उड़ानें संचालित होंगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई के लिए एयर इंडिया की आवागमन सेवाएं शामिल हैं। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस बेंगलुरु, हैदराबाद, मंगलौर और कोझिकोड जैसे शहरों से उड़ानें संचालित करेगी। मस्कट से 12 नियमित उड़ानें कन्नूर, कोच्चि, लखनऊ और तिरुवनंतपुरम के लिए चलाई जाएंगी। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब से 24 अतिरिक्त (विशेष) उड़ानें भी संचालित की जाएंगी, जो संचालन संबंधी परिस्थितियों और स्लॉट उपलब्धता पर निर्भर करेंगी। सभी उड़ानों के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और संबंधित देशों से अनुमति ली गई है। एयर इंडिया ने बताया कि अन्य अंतरराष्ट्रीय मार्ग सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। प्रभावित यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पुनः बुकिंग या पूरा धनवापसी दी जा रही है। यात्रियों से अपील है कि वे आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी अपडेट रखें।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव:

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बनेगी विशेष निगरानी टीम

बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने एक नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों के दैनिक कार्यों की निगरानी के लिए विशेष प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में यह निगरानी टीम काम करेगी।

यह प्रकोष्ठ पर्यवेक्षकों के कामकाज पर नजर रखते हुए रोजाना रिपोर्ट नई दिल्ली स्थित आयोग मुख्यालय को भेजेगा। जानकारी के अनुसार, राज्य में 294 सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, यानी हर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक पर्यवेक्षक तैनात है। इसके अलावा 84 पुलिस पर्यवेक्षक और 100 व्यय पर्यवेक्षक भी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे, जो अन्य राज्यों की तुलना में अधिक संख्या है। आयोग का कहना है कि यह कदम चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह पहल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की उस प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त बनाने पर जोर दिया था। इस नई व्यवस्था के जरिए आयोग यह संदेश भी देना चाहता है कि निगरानी केवल प्रशासनिक अधिकारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यवेक्षकों के कार्यों पर भी समान रूप से नजर रखी जाएगी। इसी बीच, लोक निर्माण विभाग की सचिव अंतरा आचार्य और खाद्य प्रसंस्करण सचिव परवेज अहमद सिद्दीकी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। हालांकि दोनों अधिकारियों ने इस नियुक्ति पर पुनर्विचार की मांग की है।

राजनीति में कोई फुलस्टॉप नहीं होता, विरासत की प्रक्रिया जारी रहती है - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों के विदाई सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता है। पीएम मोदी ने निवर्तमान सांसदों के योगदान को सराहा। राज्यसभा में पीएम मोदी ने कहा, "यह एक ऐसा अवसर है जो हर दो साल में एक बार इस सदन में हमें भावुक क्षणों में सराबोर कर देता है। सदन में कई विषयों पर चर्चा होती है, जिनमें से प्रत्येक का अपना महत्व होता है, लेकिन जब ऐसा अवसर आता है, तो हम अपने उन सहयोगियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं जो एक विशेष उद्देश्य के लिए आगे बढ़ रहे हैं।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "कुछ सहकर्मी यहां से विदाई लेकर लौट रहे हैं, कुछ यहां से अपने अनुभव का लाभ उठाकर सामाजिक जीवन में योगदान देने जा रहे हैं। जो लोग जा रहे हैं लेकिन वापस नहीं लौटेंगे, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि राजनीति में कभी विराम नहीं लगता।" सदन के अंदर अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं, हर किसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, कुछ खट्टे-मीठे अनुभव भी रहते हैं। लेकिन, जब ऐसा अवसर आता है, तो स्वाभाविक रूप से दलगत भावना से ऊपर उठकर हम सबके भीतर एक समान भाव प्रकट होता है कि हमारे ये साथी अब किसी और विशेष काम के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आज यहां से जो साथी विदाई ले रहे हैं, उनमें से कुछ फिर से आने के लिए विदाई ले

रहे हैं और कुछ विदाई के बाद यहां का अनुभव लेकर सामाजिक जीवन में कुछ न कुछ विशेष योगदान के लिए जा रहे हैं।" पीएम मोदी ने आगे कहा, "जो जा रहे हैं, लेकिन आने वाले नहीं हैं, उनको भी मैं कहना चाहूंगा कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है, भविष्य आपका भी इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव, आपका योगदान राष्ट्र जीवन में हमेशा बना रहेगा।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे उपसभापति हरिवंश सदन से विदा ले रहे हैं। हरिवंश को इस सदन में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला। वे बहुत ही मृदुभाषी हैं और सदन को चलाने में सबका विश्वास जीतने का इन्होंने निरंतर प्रयास किया है।" पीएम मोदी ने कहा कि इस सदन में से हर 2 साल के अंतराल के बाद एक बड़ा समूह हमारे बीच से जाता है। लेकिन यह ऐसी व्यवस्था है कि जो नया समूह आता है, उनको 4 साल से यहां बैठे साथियों से कुछ न कुछ सीखने का अवसर मिलता है। इसलिए एक प्रकार से यहां की विरासत एक प्रक्रिया रहती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "छह साल तक यहां रहने का अवसर न केवल नीति-निर्माण के माध्यम से राष्ट्रीय जीवन में योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक अमूल्य अनुभव भी है जो जीवन को समृद्ध बनाता है। जब सम्मानित सांसद अपने विचारों, समझ और क्षमताओं के साथ यहां आते हैं, तो उनके जाने तक, अनुभव की शक्ति से ये गुण कई गुना बढ़ जाते हैं।" उन्होंने कहा, "हमारे अठावले जा रहे हैं, लेकिन वे अपने हास्य और बुद्धिमत्ता से लोगों का मनोरंजन करते रहेंगे; हमें इस बात का पूरा भरोसा है। हर दो साल में इस सदन में एक भव्य विदाई समारोह होता है। लेकिन व्यवस्था ऐसी है कि नए सदस्य आते ही उन सहकर्मियों से कुछ सीखने का मौका पाते हैं जो चार साल के अनुभव के साथ यहां लंबे समय से बैठे हैं। एक तरह से, यहां की विरासत एक सतत प्रक्रिया के रूप में जारी रहती है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं जरूर कहूंगा कि देवगौड़ा, खड़गे, शरद पवार ऐसे वरिष्ठ लोग हैं, जिनके जीवन की आधे से अधिक उम्र संसदीय कार्यप्रणाली में गई है और इतने लंबे अनुभव के बाद भी सभी नए सांसदों को इनसे सीखना चाहिए कि समर्पित भाव से सदन में आना, यथासंभव योगदान करना और जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह समर्पित कैसे रहा जा सकता है। मैं उनके योगदान की भूरि-भूरि सराहना करूंगा।"

होर्मुज के पास ईरान के मिसाइल ठिकानों पर अमेरिका का बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के मिसाइल ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार ये ठिकाने अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खतरा बन रहे थे, इसलिए "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" के तहत यह कार्रवाई तेज कर दी गई है। संयुक्त राज्य केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि हमलों में भारी बमों का इस्तेमाल किया गया, जो मजबूत और सुरक्षित ठिकानों को भी नष्ट करने में सक्षम हैं। ये ठिकाने ईरान के तटीय इलाकों में स्थित थे, जहां से जहाज-रोधी मिसाइलें गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना सकती थीं। यह अभियान अब समुद्री क्षेत्र तक फैल चुका है और होर्मुज जलडमरूमध्य अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का अहम केंद्र बन गया है। सेंटकॉम के मुताबिक, अभियान के दौरान अमेरिकी नौसेना के विमानों ने सैकड़ों लड़ाकू उड़ानें भरी हैं, जिससे समुद्र के रास्ते भी हवाई ताकत बनाए रखने की क्षमता दिखाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार,

28 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान में अब तक 7,000 से अधिक लक्ष्यों पर हमले किए जा चुके हैं। यह कार्रवाई राष्ट्रपति के निर्देश पर शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना और संभावित खतरों को खत्म करना है। अब तक 100 से ज्यादा ईरानी जहाजों को नुकसान पहुंचाया गया या नष्ट किया गया है, जबकि 6,500 से अधिक लड़ाकू उड़ानें भरी जा चुकी हैं। हमलों में बैलिस्टिक मिसाइल स्थल, जहाज-रोधी मिसाइल ठिकाने, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुख्यालय, वायु रक्षा प्रणाली और सैन्य संचार तंत्र को निशाना बनाया गया है। इस पूरे अभियान में अमेरिका ने हवा, जमीन और समुद्र तीनों मोर्चों पर अपनी ताकत झोंक दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण वैश्विक तेल आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए इस क्षेत्र में बढ़ता तनाव पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

यूपी में नवरात्र-रमजान समेत सभी पर्व भयमुक्त माहौल में मनाए जाते हैं : सीएम योगी

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में नवरात्र, रमजान और ईद जैसे सभी प्रमुख पर्व पूरी तरह शांति, सौहार्द और भयमुक्त वातावरण में मनाए जा रहे हैं। बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'नव निर्माण के 9 वर्ष' पुस्तक का विमोचन करते हुए बीते 9 वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से साझा किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और उनके दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता के सहयोग का नतीजा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 25 करोड़ जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह बदलाव सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। उन्होंने त्योहारों का जिक्र करते हुए कहा कि एक ओर नवरात्र का पावन पर्व शुरू

हो रहा है, वहीं रमजान का महीना भी जारी है। आने वाले दिनों में अलविदा की नमाज और ईद का त्योहार भी मनाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश में कहीं भी किसी तरह का तनाव, भय या अव्यवस्था का माहौल नहीं है। लोग आपसी भाईचारे और शालीनता के साथ अपने-अपने पर्व मना रहे हैं, जो मजबूत कानून-व्यवस्था का प्रमाण है। सीएम योगी ने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश पहचान के संकट से जूझ रहा था। किसानों की स्थिति चिंताजनक थी, युवा बेरोजगारी से परेशान थे और कानून-व्यवस्था कमजोर थी। कारीगरों को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ता था और भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार से प्रभावित थीं। महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती थी।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले 9 वर्षों में सरकार ने सुरक्षा, आधारभूत संरचना, निवेश, रोजगार, किसान कल्याण और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए हैं। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के जरिए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं में सुधार के साथ सुशासन को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 9 विषयों पर आधारित 9 दिवसीय कार्यक्रम बसंत नवरात्र से शुरू किए जा रहे हैं। साथ ही, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए लगभग 9.12 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश के समग्र विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश आने वाले समय में और अधिक तेजी से प्रगति करेगा।

बिहार की सियासत में हलचल:

क्या सम्राट चौधरी होंगे अगले मुख्यमंत्री? जमुई से नीतीश कुमार का बड़ा संकेत

जमुई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'समृद्धि यात्रा' के तहत आज (बुधवार) जमुई पहुंचे। मंच पर उनके साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे। इस दौरान नीतीश कुमार ने बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा इशारा कर दिया। उन्होंने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखा और उनके समर्थन में लोगों से हाथ उठवाया। सीएम ने कहा कि अब सब काम यह (सम्राट) करेंगे। अब सवाल उठ रहा है कि क्या नीतीश ने यह मैसेज देने की कोशिश की कि सम्राट चौधरी ही बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे? यह भी प्रश्न खड़ा हो रहा है कि क्या मुख्यमंत्री के लिए नीतीश की पहली पसंद सम्राट हैं? क्या नीतीश ने यही बताने की कोशिश की है?

राज्यसभा जा रहे हैं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बता दें कि नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो गए हैं। 10 अप्रैल के बाद उनका टर्म शुरू हो रहा है। अगले महीने वे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ सकते हैं। उसके बाद बिहार में नई सरकार का गठन होगा। इसकी पूरी संभावना है कि इस बार बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री हो सकता है। ऐसे में सम्राट चौधरी को लेकर नीतीश कुमार का बयान कई मायनों में

खास माना जा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी को लेकर इस तरह का संकेत दिया है। कुछ दिन पहले कटिहार में एक कार्यक्रम के अंत में भी उन्होंने मंच पर मौजूद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पीठ थपथपाई थी।

कुंडघाट जलाशय परियोजना का किया उद्घाटन

समृद्धि यात्रा के तहत जमुई पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुंडघाट जलाशय परियोजना का उद्घाटन किया। उन्होंने स्थल का निरीक्षण किया और विभिन्न स्टॉलों का भी भ्रमण किया। समृद्धि यात्रा के चौथे चरण का आज (बुधवार) दूसरा दिन है। आज मुख्यमंत्री का नवादा में भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। दिल्ली (राज्यसभा) जाने से पहले नीतीश कुमार के ये दौरे काफी अहम माने जा रहे हैं।

असम चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। नगांव से दो बार के सांसद प्रद्त बोरदोलोई ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस फैसले के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर बोरदोलोई भाजपा में शामिल होना चाहते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पार्टी उन्हें आगामी चुनाव में टिकट दे सकती है। राज्य में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में बोरदोलोई का इस्तीफा

कांग्रेस के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। इससे चुनावी रणनीति और समीकरणों पर भी असर पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि बोरदोलोई पार्टी के अंदरूनी मामलों को लेकर नाराज चल रहे थे। खासतौर पर गौरव गोगोई के साथ मतभेद सामने आए थे। उनके बेटे प्रतीक बोरदोलोई को मार्घेरिटा सीट से टिकट मिलने के बाद यह नाराजगी और बढ़ गई, जिसके चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला लिया।

आंध्र प्रदेश में दिव्यांगों के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू, 'दिव्यांग शक्ति' सेवा का शुभारंभ

आंध्र प्रदेश। एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए एक बड़ी पहल करते हुए 'दिव्यांग शक्ति' योजना की शुरुआत की है। बुधवार, 18 मार्च 2026 को शुरू की गई इस योजना के तहत दिव्यांगजन अब राज्य में मुफ्त बस यात्रा कर सकेंगे। इस कदम के साथ आंध्र प्रदेश उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जहां इस प्रकार की सुविधा पहले से उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए इसे समावेशी और समान समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पहले से चल रही मुफ्त बस यात्रा योजना की सफलता के बाद अब इस सुविधा का विस्तार दिव्यांगजनों तक किया गया है, जिससे समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिल सके। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और सूचना प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा मंत्री नारा लोकेश भी मौजूद रहे। योजना के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री ने मंगलगिरि से पेनुमाका तक लाभार्थियों के साथ विशेष बस यात्रा की, जिसका रास्ते भर लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं ने दिव्यांगजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सरकारी योजनाओं पर प्रतिक्रिया ली। इस संवाद से उन्हें आवागमन से जुड़ी वास्तविक परेशानियों की जानकारी मिली, जिससे

सुलभ और बेहतर सार्वजनिक परिवहन की आवश्यकता को और मजबूती मिली। नेताओं ने सभी नागरिकों के लिए गरिमा, स्वतंत्रता और समान अवसर सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 21 महीनों में गठबंधन सरकार ने जनकल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं और 'दिव्यांग शक्ति' योजना की शुरुआत से उन्हें विशेष संतोष मिला है। उन्होंने दिव्यांगजनों को असाधारण प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि वे चुनौतियों को पार कर सफलता हासिल करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने 'चेयुथा' कार्यक्रम का भी जिक्र किया, जिसके तहत त्रिचक्र वाहन के साथ दोपहिया वाहन भी वितरित किए गए थे। सरकार के अनुसार, राज्य में दिव्यांगजनों को 6,000 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है, जिसे पहले 500 रुपये से बढ़ाया गया है। योजना के तहत आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सामान्य शहर सेवा, मेट्रो तीव्र सेवा, ग्रामीण प्रकाश सेवा, उन्नत ग्रामीण सेवा और तीव्र बस सेवाओं में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह योजना 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 21 श्रेणियों के लोगों पर लागू होगी और इससे करीब 12.76 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके प्रभावी संचालन के लिए सरकार हर वर्ष लगभग 207 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

संसद में गूंजे ठहाके: मल्लिकार्जुन खरगे बोले—"प्यार हमसे किया, शादी नरेंद्र मोदी से कर ली"

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार का दिन हंसी-मजाक और हल्के-फुल्के माहौल से भरपूर रहा। सदन में उस वक्त जोरदार ठहाके गूंज उठे जब नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को लेकर मजेदार टिप्पणी कर दी। उनके इस बयान पर न सिर्फ पूरा सदन हंस पड़ा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुस्कुराते नजर आए।

क्या बोले खरगे?

खरगे ने अपने संबोधन के दौरान कहा, "मैं देवगौड़ा जी को 54 सालों से जानता हूं, उनके साथ काम किया है। लेकिन उन्होंने प्यार हमारे साथ किया और शादी मोदी साहब के साथ कर ली। ये हाल ही में हुआ है... तो ये कैसे हुआ, मुझे भी समझ नहीं आता।" उनकी इस टिप्पणी के बाद सदन में जोरदार ठहाके लगे और माहौल हल्का हो गया।

पीएम मोदी ने की वरिष्ठ नेताओं की तारीफ

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एचडी

देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये सभी नेता संसदीय परंपराओं के मजबूत स्तंभ हैं और उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसद की सेवा में लगाया है। PM मोदी ने कहा कि इन नेताओं की नियमित उपस्थिति और निष्ठा नए सांसदों के लिए प्रेरणा है।

'संसद एक खुला विश्वविद्यालय'

राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए प्रधानमंत्री ने संसद को "एक खुला विश्वविद्यालय" बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं होता और सभी नेताओं का अनुभव देश के लिए हमेशा अहम रहेगा।

अठावले पर भी ली हल्की चुटकी

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का जिक्र करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि "अठावले जी सदाबहार हैं, वे जा रहे हैं लेकिन फिर भी खालीपन महसूस नहीं होगा, क्योंकि वे लगातार सक्रिय रहेंगे।" संसद का यह हल्का-फुल्का और हंसी से भरा माहौल राजनीतिक गंभीरता के बीच एक अलग ही रंग लेकर आया ।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ईरान की अडिग रहने की रणनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यदि यह सोचते थे कि शीर्ष नेतृत्व के खत्म हो जाने और पंद्रह दिनों की भीषण बमबारी झेलने के बाद ईरान हाथ खड़े कर देगा तो वह शायद उनकी भूल थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मिसाइल हमले में मारे जाने के बाद उनकी गद्दी पर बैठे उनके बेटे मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले ही संदेश में खून का बदला खून से लेने का एलान करते हुए पड़ोस के खाड़ी देशों को चेतावनी दी कि वे अपने यहां बने अमेरिकी अड्डों को बंद करें। हालांकि उनके संदेश की जिस बात ने पूरी दुनिया के बाजारों और कारोबारों में हड़कंप मचाया वह दुश्मनों को मात देने के लिए होर्मुज जलमार्ग का हथियार की तरह इस्तेमाल करने के बारे में था। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस इसी मार्ग से होकर जाता है, जिसका 60 प्रतिशत से अधिक चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और हिंदचीन के देशों को जाता है।

हड़कंप को शांत करने के लिए ट्रंप ने लड़ाई के लगभग पूरा हो जाने की बातें कीं। ईरान को धमकी दी कि होर्मुज बंद किया तो बीस गुना भीषण हमले झेलने होंगे। कभी होर्मुज से जाने वाले जहाजों का बीमा करने की बात उछाली। कभी जहाजों के अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने की बातें कीं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने आपात रिजर्व से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने की घोषणा की। साथ में ट्रंप ने रूस के जहाजों पर लदे करीब 35-40 करोड़ बैरल तेल की बिक्री से एक महीने के लिए प्रतिबंध हटा लिए, लेकिन जहाजों पर ईरान के छिटपुट हमलों और उसकी धमकी से फैले आतंक के सामने किसी घोषणा की एक न चली। होर्मुज से जहाजों का यातायात लगभग ठप रहा और कच्चे तेल के दाम 100 डालर प्रति बैरल पार कर गए।

अमेरिका और इजरायल का दावा है कि उन्होंने ईरान की हवाई, नौसैनिक और मिसाइल निर्माण एवं मारक क्षमता खत्म कर दी है। शीर्ष नेतृत्व मारा जा चुका है, इसलिए देश में कोई व्यवस्था नहीं बची है, मगर उनके ये दावे जमीनी हकीकत पर खरे नहीं उतरते। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों की संख्या घटी जरूर है, पर हमले जारी हैं और इजरायल, अमेरिका एवं खाड़ी के देशों के सुरक्षा कवचों को भेद भी रहे हैं। ईरानी राष्ट्रपति महमूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अराघची के बयानों और हावभाव में किसी तरह की घबराहट या चिंता दिखाई नहीं दे रहीं।

मोजतबा खामेनेई के चुनाव को लेकर अवश्य 88 मुजाहिदों की मजलिस-ए-रहबरी के बीच कुछ विवाद होने की खबरें हैं, क्योंकि इस्लामी क्रांति का मकसद वंशवादी राजशाही को हटाकर ऐसी मुल्लाशाही स्थापना करना था जिसके नेता का चुनाव योग्यता के आधार हो। मोजतबा खामेनेई का चुना जाना वंशवाद का ही प्रतीक है।

यकीन करना मुश्किल पर यही है सच: इतिहास की 5 सबसे अजीबोगरीब घटनाएं, जिन्होंने दुनिया को हैरान कर दिया

- बुद्धिमान मूर्ख सुल्तान के अजीब फैसले से लेकर रूस की बर्फीली ठंड में हिटलर की सबसे बड़ी हार तक; पढ़िए ऐतिहासिक सनक और जांबाजी की अनसुनी दास्तानें

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क

दुनिया को आकार देने में लाखों ऐतिहासिक घटनाओं ने अपना योगदान दिया है। इनमें से कुछ घटनाएं ऐसी हैं जो सदियों तक याद रखी जाती हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो इतनी अजीब हैं कि उन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। आज के इस विशेष लेख में हम इतिहास के उन पन्नों को पलट रहे हैं, जहाँ इंसान की सनक, गलतियां और हैरतअंगेज बहादुरी के ऐसे किस्से दबे हैं जो किसी काल्पनिक फिल्म की पटकथा से कम नहीं लगते।

1. मुहम्मद बिन तुगलक: एक 'बुद्धिमान मूर्ख' की दास्तान

दिल्ली सल्तनत के सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक का नाम सबसे दिलचस्प है। उसने उत्तर भारत से लेकर दक्कन तक शासन किया, लेकिन उसकी प्रशासनिक योजनाओं और गलत फैसलों के कारण उसे 'बुद्धिमान मूर्ख' कहा जाने लगा।

टोकन मुद्रा का प्रयोग: 14वीं शताब्दी में चांदी की कमी के कारण तुगलक ने तांबे के सिक्कों को चांदी के मूल्य के बराबर चलाने का फैसला किया। इससे भारी आर्थिक अराजकता फैल गई।

राजधानी का स्थानांतरण: सुल्तान ने पूरे उपमहाद्वीप पर नियंत्रण के लिए राजधानी दिल्ली से दौलताबाद शिफ्ट करने का आदेश दिया। उसने केवल दरबार ही नहीं, बल्कि दिल्ली की पूरी जनता, कवियों और संगीतकारों को भी पैदल चलने को मजबूर किया। जब लोग दौलताबाद पहुँचे, तो सुल्तान ने अपना मन बदल लिया और वापस दिल्ली लौटने का फरमान जारी कर दिया, जिससे हजारों लोगों की जान चली गई।

2. रूस की ठंड और हिटलर की सबसे बड़ी भूल

इतिहासकार एंड्रयू रॉबर्ट्स की किताब "The Storm of War" के अनुसार, 1941 में रूस पर आक्रमण करना हिटलर की सबसे बड़ी रणनीतिक चूक थी। जर्मनी की सेना उस वक्त रूस के बेहद ठंडे वातावरण के लिए तैयार नहीं थी।

बिना तैयारी के हमला: 22 जून, 1941 को जब आक्रमण शुरू हुआ, तो जर्मन सैनिकों के पास पर्याप्त ऊनी टोपी, दस्ताने और ओवरकोट तक नहीं थे।

बर्फीला नर्क: ठंड इतनी ज्यादा थी कि सैनिकों की नाक और उंगलियां फट गईं, पलकें आंखों से चिपक कर जम गईं। भूख से बेहाल होकर सैनिकों ने अंत में अपने ही घोड़ों को खाना शुरू कर दिया था। यह युद्ध हिटलर के अंत की शुरुआत माना जाता है।

3. मथियास गैलस: अपनी ही सेना का 'विनाशक'

इतिहास में मथियास गैलस (Matthias Gallas) को "Army Wrecker" या "सेनाओं के विनाशक" के रूप में जाना जाता है। वह एक अनुभवी जनरल था, लेकिन उसकी एक ही गलती को बार-बार दोहराने की सनक ने उसकी सेना को बर्बाद कर दिया।

भूख से मौत का मार्च: 1637 में गैलस ने अपनी सेना को बिना भोजन के एक बंजर भूमि में मार्च करने का आदेश दिया।

गलती की पुनरावृत्ति: हैरानी की बात यह है कि 1638 में उसने फिर से वही गलती की और अपनी सेना को उसी बंजर भूमि में ले गया, जहाँ उसके ज्यादातर सैनिक भूख से मर गए।

4. नेपोलियन के वो ऐतिहासिक 100 दिन

नेपोलियन बोनापार्ट का नाम इतिहास में उनकी वापसी के लिए भी प्रसिद्ध है। 1814 में हार के बाद उन्हें एल्बा द्वीप पर निर्वासित कर दिया गया था।

कैद से फरारी: 26 फरवरी 1815 को नेपोलियन एल्बा से भागने में सफल रहा और फ्रांस लौट आया।

दुश्मन सेना का साथ: जब राजा लुई XVIII ने नेपोलियन को रोकने के लिए 5वीं रेजिमेंट भेजी, तो नेपोलियन ने उनसे कहा कि वे चाहें तो अपने सम्राट को गोली मार सकते हैं। लेकिन सेना नेपोलियन के पक्ष में हो गई और उसे पेरिस की सत्ता सौंपी, जहाँ उसने अगले 100 दिनों तक शासन किया।

5. 1941 का रासिनेई युद्ध: जब एक टैंक ने रोका पूरा डिवीजन

यह घटना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रासिनेई (Raseiniai) गांव के पास हुई थी। यहाँ एक अकेले सोवियत केवी (KV) टैंक ने पूरे जर्मन डिवीजन का रास्ता रोक दिया था।

अकेले की जांबाजी: इस सिंगल रूसी टैंक ने पूरे दिन जर्मन सेना को आगे नहीं बढ़ने दिया। जब तक जर्मन सैनिक भारी तोपों के साथ वहां नहीं पहुँचे, वह अकेला टैंक दीवार बनकर खड़ा रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, उस एक टैंक की बहादुरी ने जर्मनी की पूरी योजना को उस क्षेत्र में अस्त-व्यस्त कर दिया था।

निष्कर्ष: इतिहास केवल राजाओं और युद्धों की गाथा नहीं है, बल्कि यह मानवीय व्यवहार की उन अकल्पनीय परतों का गवाह है जहाँ कभी एक फैसला लाखों जिंदगियां ले लेता है, तो कभी एक टैंक पूरे युद्ध की दिशा बदल देता है।

दिवस विशेष

श्वेता गोयल

मानवता का सबसे सशक्त सुरक्षा कवच है टीकाकरण

मानव सभ्यता के इतिहास में अदृश्य सूक्ष्मजीवों, वायरसों और जीवाणुओं ने समय-समय पर अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौतियां पेश की हैं। इन प्राणघातक संकटों के विरुद्ध मानवता के पास सबसे सशक्त और अचूक अस्त्र 'टीकाकरण' ही रहा है। भारत में प्रतिवर्ष 16 मार्च को मनाया जाने वाला 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस' सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता, वैज्ञानिक चेतना और लाखों जिंदगियों को अकाल मृत्यु से बचाने के संकल्प का उत्सव है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि कैसे विज्ञान ने प्रकृति के प्रकोप को नियंत्रित कर एक स्वस्थ समाज की नींव रखी है। टीकाकरण की महत्ता को समझना आज इसलिए भी अनिवार्य है क्योंकि यह न केवल व्यक्ति विशेष की रक्षा करता है बल्कि एक अभेद्य सामुदायिक सुरक्षा तंत्र (हर्ड इम्यूनिटी) का निर्माण भी करता है। टीकाकरण की प्रक्रिया वास्तव में शरीर की आंतरिक रक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करने की एक कला है। हमारे वातावरण में अनगिनत रोगजनक तत्व विचरण करते हैं, जो किसी भी क्षण हमें अपनी चपेट में ले सकते हैं। वैक्सीन इन खतरों के विरुद्ध शरीर में एक कृत्रिम प्रतिरक्षा जागृत करती है, जिससे हमारा शरीर वास्तविक संक्रमण होने पर उससे लड़ने के लिए पहले ही तैयार रहता है। यह चिकित्सा विज्ञान की वह अद्भुत उपलब्धि है, जिसने चेचक जैसी भयावह बीमारियों का नामोनिशान मिटा दिया और पोलियो जैसे अभिशाप को इतिहास के पन्नों तक सीमित कर दिया। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का मूल ध्येय समाज के हर वर्ग, विशेषकर नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इस अभियान की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है। यह उन अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं, डॉक्टरों और नर्सों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी क्षण है, जो दुर्गम क्षेत्रों में जाकर हर बच्चे तक 'सुरक्षा की खुराक' पहुंचाना सुनिश्चित करते हैं। यदि हम भारत के संदर्भ में टीकाकरण की ऐतिहासिक विजय गाथा का विश्लेषण करें तो 16 मार्च की तिथि स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इसी दिन वर्ष 1995 में देश में ओरल पोलियो वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी, जो 'पल्स पोलियो अभियान' के व्यापक शंखनाद का प्रतीक बनी। 'दो बूंद जिंदगी की' का वह नारा केवल एक विज्ञापन नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन बन गया, जिसने देश के कोने-कोने में चेतना जगाई। उस समय भारत पोलियो के मामलों का प्रमुख केंद्र माना जाता था लेकिन निरंतर प्रयासों और टीकाकरण की शक्ति ने असंभव को संभव कर दिखाया। परिणामस्वरूप, वर्ष 2011 में पश्चिम बंगाल में अंतिम मामला मिलने के बाद 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को पोलियो मुक्त राष्ट्र घोषित कर दिया। यह उपलब्धि प्रमाणित करती है कि यदि इच्छाशक्ति और टीकाकरण का सही समन्वय हो तो किसी भी महामारी को परास्त किया जा सकता है। टीकाकरण की प्रासंगिकता केवल शिशुओं तक सीमित नहीं है। यद्यपि इसका आरंभ बाल्यकाल की सुरक्षा से होता है परंतु व्यस्क और वृद्धजनों के लिए भी यह उतना ही अनिवार्य है। कोविड-19 वैश्विक महामारी ने इस सत्य को वैश्विक स्तर पर पुनर्स्थापित किया है। 2020 के बाद भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाकर यह सिद्ध किया कि आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना केवल वैज्ञानिक नवाचार से ही संभव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मत है कि टीकाकरण के लाभ केवल व्यक्तिगत आरोग्य तक सीमित नहीं रहते बल्कि इसका व्यापक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ता है। एक स्वस्थ कार्यबल राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को गति देता है और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ को कम करता है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत में टीकाकरण की जड़ें बहुत गहरी हैं। दस्तावेजी प्रमाण बताते हैं कि 1802 में मुंबई की एक नन्ही बालिका को चेचक का टीका लगाकर इस आधुनिक सुरक्षा चक्र की शुरुआत हुई थी। उसके बाद 1896 में अनिवार्य टीकाकरण अधिनियम का आना और 20वीं सदी के प्रारंभ तक हैजा, प्लेग और टाइफाइड जैसी महामारियों के विरुद्ध टीकों की उपलब्धता ने भारतीय स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान की। टीकाकरण केवल दवा की बूंद नहीं है बल्कि यह एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की पहली शर्त है। आज जब हम आधुनिक प्रौद्योगिकियों के युग में जी रहे हैं, तब हमारा यह दायित्व है कि हम भ्रांतियों और अफवाहों को दरकिनार कर टीकाकरण को एक नागरिक कर्तव्य के रूप में अपनाएं। यदि हम 'पूर्ण टीकाकरण' के लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं तो भविष्य की पीढ़ियों को हम एक रोगमुक्त और निर्भय संसार उपहार में दे सकेंगे। हर साल लाखों जिंदगियां बचाने का यह संकल्प तभी फलीभूत होगा, जब 'सुरक्षा का यह चक्र' समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर की प्राप्ति

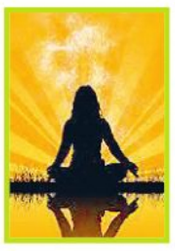

संकलित

दर्शन

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों हाथ एक ही शरीर के दो भाग हैं, उसी प्रकार जीव और प्रकृति दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सतोगुणी अंश है। मानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय को 'उपासना' कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवतत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत की ओर चलना है। जिसने जितना ही सत्गुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत तत्व की आराधना है।

दूसरों को कमजोर समझने की गलती न करें

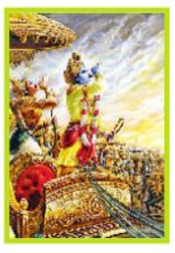

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

आज की पाती

बड़ा बोझ क्यों बन रही शादियां?

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं। ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

- मनोज जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

जनता देगी जवाब

टीएमसी वालों को यह याद रखना होगा कि उन्होंने केवल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी का अपमान नहीं किया है, बल्कि देश के आदिवासी समाज के साथ-साथ करोड़ों महिलाओं के सम्मान को भी ठेस पहुंचाई है। पश्चिम बंगाल की जनता-जनार्दन इसका भरपूर जवाब देगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कांशीराम को मिले भारत रत्न

सरकार से सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करता हूं। यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान कांशीराम के साथ उस पूरे आंदोलन को श्रद्धांजलि होगी जिसने करोड़ों बहुजनों को हक और आत्मसम्मान की राह दिखाई।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ब्याज-मुक्त ऋण

युवा शक्ति ही सशक्त राजस्थान की असली पहचान है। उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए हमारी सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। युवाओं को स्वरोजगार के लिए ब्याज-मुक्त ऋण दिया जा रहा है।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

डबल इंजन सरकार

कुछ साल पहले किसने सोचा होगा कि असम के हर जिले में ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल होगा, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और एम्स होंगे, एक पानी के नीचे सुरंग होगी और भी बहुत कुछ। डबल इंजन सरकार ने इन सभी को हकीकत बना दिया है।

-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

करंट अफेयर

हमलों के बाद 'काली बारिश' से ईरान की जनता को खतरा

अमेरिका व इजराइल के ईरान के तेल भंडारों पर किये गये हवाई हमलों कारण उठे जहरीले धुएं के बादल धरती पर 'काली बारिश' हुई।

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसके मद्देनजर जनता के लिए गंभीर खतरों की चेतावनी जारी की है।

पिछले हफ्ते ईरान के कई तेल डिपो और एक रिफाइनरी पर हमले के बाद तेहरान के पास काली और तैलीय बारिश हुई, जिससे राजधानी के निवासियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। दो सप्ताह से जारी युद्ध के दौरान क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी काले धुएं के गुबार देखे गए। ईरान भी फारस की खाड़ी के पड़ोसी देशों के तेल और प्राकृतिक गैस भंडारों पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों का जवाब दे रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश अपेक्षाकृत कम समय में वायुमंडल से खतरनाक रसायनों को साफ कर देती है लेकिन काली बारिश के संपर्क में आने वाले लोगों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। यह तब होता है, जब राख और जहरीले रसायन वायुमंडल में पानी की बूंदों के साथ मिलकर बारिश के दौरान वापस पृथ्वी पर गिरते हैं। तेल रिफाइनरियों या तेल क्षेत्रों में आग लगने के बाद यह आम बात है।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। ब्रह्मांड का शेष 70 प्रतिशत भाग 'डार्क एनर्जी' से बना है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया।

रॉयल पत्रिका

'राजस्थान संपर्क' पर नागरिक संतुष्टि स्तर 'ऑल टाइम हाई लेवल' पर

-मार्च 2026 में सिटीजन संतुष्टि स्तर 80 प्रतिशत से अधिक पहुंचा

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर मंत्रीगण एवं एसीएस से शासन सचिव स्तर के अधिकारी संपर्क हेल्पलाइन (181) का कर रहे नियमित दौरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पारदर्शी, जवाबदेह एवं नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में राजस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रदेश की नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था के तहत संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) पर परिवादों का द्रुत गति से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में मार्च 2026 में लोक शिकायतों के निस्तारण में नागरिक संतुष्टि का स्तर 'ऑल टाइम हाई लेवल', 80 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो पूर्व माह के लगभग 69.54 प्रतिशत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। राजस्थान सरकार लोक शिकायतों के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कई बार स्वयं राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण कर परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित कर चुके हैं, वे पूर्व में निस्तारित प्रकरणों में दी गई राहत एवं समाधान का नियमित फीडबैक ले रहे हैं तथा उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पिछले दिनों में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भी राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का दौरा कर शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद कर फीडबैक लिया है।

विभागों के प्रभारी सचिव नियमित कर रहे संपर्क हेल्पलाइन (181) का दौरा:-

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने लोक शिकायतों के प्रभावी

निस्तारण के उद्देश्य से सभी विभागों के प्रभारी सचिवों को एक परिपत्र जारी कर 4 मार्च से 28 अप्रैल तक राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) पर निर्धारित तिथियों में स्वयं उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों की अनुपालना में सभी विभागों के प्रभारी एसीएस से शासन सचिव स्तर के अधिकारी राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) केन्द्र पर निर्धारित तिथियों में स्वयं उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से कॉल पर वार्ता कर फीडबैक ले रहे हैं। इस पहल के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई, तथ्यात्मक समीक्षा तथा त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान में लगातार सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

क्रांतिकारी सुधारों को मिल रही उल्लेखनीय गति:-

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि नागरिक-केंद्रित शासन राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है और राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) ने 'नेक्स्ट जेन जन संपर्क' के रूप में प्रौद्योगिकी के माध्यम से नागरिकों एवं सरकार के बीच की दूरी को काफी कम कर दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) में क्रांतिकारी सुधारों को उल्लेखनीय गति प्रदान की जा रही है। सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव से शासन सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन राजस्थान संपर्क केंद्र का दौरा कर नागरिकों से सीधा संवाद कर रहे हैं। इससे शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा रहा हैं।

एक दिन में 25,254 प्रकरणों का निस्तारण:-

उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी, 2026 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) पर दैनिक शिकायत निस्तारण का 'ऑल टाइम हाई लेवल', 25,254 प्रकरण दर्ज किया गया था। इस दिन दर्ज शिकायतें सिर्फ 11,788 थीं, जिससे स्पष्ट है कि प्रदेश में शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही, औसत निस्तारण अवधि घटकर 7 दिवस रह गई है, जो शिकायतों के तेजी से हो रहे समाधान को दर्शाता है। राजस्थान सरकार का यह प्रयास नागरिकों की आवाज को सीधे सरकार तक पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का घर बैठे समाधान उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के नागरिक राजकीय विभागों से जुड़ी अपनी किसी भी परिवेदना के लिए टोल-फ्री नंबर 181 पर कॉल करें या राजस्थान संपर्क पोर्टल अथवा ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

महिलाएं अपनी अंतर्निहित शक्ति का उपयोग राष्ट्र विकास में करें- राज्यपाल

-आईआईएस यूनिवर्सिटी का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महिला अबला नहीं सबला हैं। यह मन में लाकर यदि महिलाएं आगे बढ़ेंगी तभी समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ेगा। राज्यपाल बागडे बुधवार को आईआईएस यूनिवर्सिटी के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं है। उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को याद करते हुए कहा कि मात्र बीस वर्ष की उम्र में उन्होंने अंग्रेजों को चुनौती दी थी। उम्र कोई मायने नहीं रखती। मन यदि बना लें तो किसी भी बाधा से मुकाबला किया जा सकता है। राज्यपाल ने निडरता के साथ सकारात्मक सोच रखते हुए छात्राओं को जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी रहने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता बढ़ाने, विद्यार्थी को एकाग्रता से पढ़ने के लिए प्रेरित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र समृद्धि हम सभी का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए। राज्यपाल ने लार्ड मैकाले द्वारा देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को लागू कर देश में गुलाम मानसिकता का निर्माण करने की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से शिक्षा की वही पद्धति चली आ रही थी। भारत सरकार

ने भारत को फिर से उसकी ज्ञान परंपरा से उन्नत करने के लिए नई शिक्षा नीति को देश में लागू किया। यह नीति भारत को विश्वगुरु बनाने के भाव से जुड़ी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत ऐसी शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया जिससे देश के पास मौजूद 240 करोड़ हाथों के जरिए राष्ट्र को मजबूत करने के लिए किया जाना चाहिए। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने दीक्षांत समारोह में प्रदेश की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी को आईआईएस यूनिवर्सिटी की ओर से सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को दीक्षांत अवसर पर स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने अपने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने बालिका शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा के साथ अवसर प्रदान करने की सोच से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने छात्राओं को भविष्य के अवसरों का भरपूर उपयोग करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. अशोक गुप्ता का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा के लिए संस्थान की स्थापना कर उन्होंने अनुकरणीय पहल की। चांसलर अमित गुप्ता और कुलगुरु टी. एन. माथुर ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली बनाए रखना सरकार की प्रतिबद्धता है- मुख्य सचिव

-7.70 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा के लिए कड़े इंतजाम; पेपर लीक पर जीरो टॉलरेंस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार निष्पक्ष एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के प्रति प्रतिबद्ध है तथा पेपर लीक के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति के साथ कार्य किया जाए, ताकि स्थापित विश्वास को अक्षुण्ण रखा जा सके। मुख्य सचिव ने उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से आयोजन को लेकर सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया को सुदृढ़ निगरानी और कड़े सुरक्षा प्रबंधों के साथ संपन्न कराया जाए। 5-6 अप्रैल को होने वाली परीक्षा राज्य के 1174 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। मुख्य सचिव द्वारा प्रस्तावित परीक्षा के लिए सभी स्तरों पर समन्वित एवं उत्तरदायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टर्स एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सतत निगरानी, प्रभावी कानून-व्यवस्था और समयबद्ध समन्वय सुनिश्चित करते हुए किसी भी प्रकार की शिथिलता न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके सुरक्षित भंडारण, परिवहन एवं समयबद्ध वितरण तथा संदिग्ध

व्यक्तियों को सूचीबद्ध कर निगरानी रखने, डमी अभ्यर्थियों को रोकने की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर वीडियोग्राफी, फ्लाइंग स्क्वॉड की सक्रियता के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में साइबर कैफे एवं ई-मित्र केंद्रों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखा जाए तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध प्रभावी रूप से लागू किया जाए। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर कोड युक्त प्रवेश पत्र, फोटो पहचान एवं वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे बहु-स्तरीय उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परीक्षा को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए कहा कि इसकी योजना गंभीरता के साथ बनाई जाए तथा पर्यवेक्षी अधिकारियों का चयन किया जाए। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य हेमंत प्रियदर्शिनी ने इसे राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षा बताते हुए पुराने अनुभवों से सीख लेकर इस बार 'जीरो टॉलरेंस' के तहत शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित करने पर बल दिया। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने अवगत कराया कि परीक्षा राज्य के 41 शहरों में 1174 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। बैठक में पुलिस महानिदेशक (एसओजी एवं एटीएस), पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था, सभी संभागीय आयुक्त, संबंधित जिलों के जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त जयपुर एवं जोधपुर, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक तथा जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री रहे जिले के दौरे पर

-जिला स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक, समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान बैरवा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणाओं को जनहित से जुड़ा बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि बजट घोषणाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे, इसके लिए प्रत्येक विभाग जिम्मेदारी के साथ कार्य करे। उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि जिन कार्यों की प्रगति धीमी है, उनमें तेजी लाई जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी कार्य में भूमि, स्वीकृति, तकनीकी या अन्य किसी प्रकार की बाधा आ रही हो तो उसे तत्काल जिला प्रशासन अथवा राज्य स्तर पर अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपमुख्यमंत्री बैरवा ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कर जिले के समग्र विकास में सक्रिय योगदान दें। बैठक में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपमुख्यमंत्री को जिले में बजट घोषणाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न विभागों के माध्यम से योजनाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है तथा समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) रणजीत सिंह, एडीएम सिटी श्रीमती प्रतिभा देवटिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रभान सिंह, नगर विकास न्यास के सचिव ललित गोयल सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम जयपुर द्वारा स्वच्छता सप्ताह के दौरान की जा रही है विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत स्वच्छता सप्ताह के दौरान स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है जिनका उद्देश्य आम जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि 14 मार्च से यह गतिविधियां आयोजित की जा रही है जिसके तहत अब तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा चुकी है मंगलवार को वैशाली नगर जोन के वार्ड 30 में विशेष स्वच्छता श्रमदान अभियान का आयोजन किया गया जिसमें वहां की कॉलोनी वासियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर साफ सफाई स्वच्छता का संदेश दिया इसके साथ ही RRR सेंटर (मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों) पर भी जागरूकता अभियान चलाया गया साथ ही जरूरतमंदों को पुराने कपड़े जूते किताब आदि भी वितरित किए गए स्वच्छता सप्ताह

के तहत वैशाली नगर जोन की वार्ड संख्या 33 में स्थित शालीमार बाग सार्वजनिक शौचालय पर विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

रंगोली बनाई गई:-

आदर्श नगर जोन के वार्ड संख्या 123 गोल मार्केट क्षेत्र स्थित पिंक टॉयलेट पर विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान पिक टॉयलेट परिसर की गहन सफाई करवाई गई तथा क्लीन टॉयलेट थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया इस अवसर पर पिक टॉयलेट की महिला केयरटेकर को माला पहनकर सम्मान किया गया एवं उनके कार्य की सराहना की गई साथ ही महिला उपयोगकर्ताओं को शौचालय की स्वच्छता बनाए रखने के उपलब्ध मशीनों एवं सुविधाओं का सही उपयोग उनके नियमित रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया साथ ही सब्जी मंदिरों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध से संबंधित रंगोली भी बनाई गई इस अवसर पर से " say no टू प्लास्टिक " की थीम पर रंगोली बनाई गई उपस्थित व्यापारियों, ग्राहकों को प्लास्टिक के साथ-साथ कपड़े के थैले साथ ही गीले व सुखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखने की भी समझाइश की गई।

विद्युत कार्मिकों को खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी - ऊर्जा मंत्री

-राजस्थान के विद्युत निगमों की पॉवरलिफ्टिंग टीम ने 6 पदक सहित चैम्पियनशिप जीती

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विद्त उत्पादन निगम द्वारा कोटा में 47 वीं अखिल भारतीय विद्त पॉवरलिफ्टिंग और बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 मार्च 2026 तक किया गया जिसमें राजस्थान के विद्त निगमों की पॉवरलिफ्टिंग टीम ने 6 पदक सहित टीम चैम्पियनशिप जीती। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बुधवार को विद्त भवन में टीम के प्रबन्धन एवं खिलाड़ियों को शानदार उपलब्धि अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बिजली कर्मचारी विषम परिस्थितियों में अपनी नौकरी करते हैं और नौकरी करने के साथ ही खेलों का अभ्यास कर अखिल भारतीय स्तर की प्रतियागिताओं में राजस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। नागर ने कहा इन विभागीय प्रतियोगिताओं के आयोजन से न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, शक्ति और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना में बढ़ोतरी हो रहीं है, बल्कि कार्यस्थलों पर भी ऊर्जा और टीम भावना मजबूत हो रही है। ऊर्जा मंत्री ने शीघ्र ही अखिल भारतीय विद्त प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने वाले राजस्थान के विभिन्न जिलों में कार्यरत सभी खिलाड़ियों को जयपुर बुलाकर उनसे संवाद एवं हौंसला अफजाई करने की मंशा जताई। राजस्थान विद्त निगमों की पॉवरलिफ्टिंग टीम को

ऐतिहासिक प्रदर्शन पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, चैयरमैन डिस्कॉम सुश्री आरती डोगरा, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक राजस्थान विद्त उत्पादन निगम देवेन्द्र श्रृंगी, संयुक्त सचिव ऊर्जा विभाग सौरभ स्वामी एवं सभी निगमों के निदेशक, मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित उच्चाधिकारियों ने बधाई प्रेषित की। राजस्थान विद्त पॉवरलिफ्टिंग टीम की यह उपलब्धि खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और टीम भावना से प्राप्त हो पाई है। प्रतियोगिता में देशभर के राज्यों से विद्त विभागों के शीर्ष पॉवरलिफ्टिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया। राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और 2 स्वर्ण पदक, 1 रजत पदक व 3 कांस्य पदक प्राप्त किये। ऊर्जा मंत्री से विद्त भवन में प्रतियोगिता के आयोजन सचिव पवन शर्मा सहायक निदेशक जनसंपर्क, राजस्थान विद्त उत्पादन निगम, टीम मैनेजर जगदीश प्रसाद मीणा कार्मिक अधिकारी राजस्थान विद्त प्रसारण निगम और टीम कोच कृष्ण कुमार गुप्ता, कनिष्ठ लेखाकार प्रसारण निगम ने मुलाकात कर प्रतियोगिता एवं राजस्थान टीम के प्रदर्शन की जानकारी दी। राजस्थान विद्त पॉवरलिफ्टिंग टीम में राजस्थान के सभी विद्त वितरण निगम, प्रसारण निगम और उत्पादन निगम के विद्त गृहों के खिलाड़ी शामिल है। पदक जीतकर राजस्थान को पहली बार टीम चैम्पियनशिप दिलाने वाले खिलाड़ियों में हरीश मीणा (कनिष्ठ अभियन्ता, अलवर) और अजीत सिंह (कनिष्ठ अभियन्ता, भिवाड़ी) ने राजस्थान को लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक दिलाए। जयपुर डिस्कॉम के रूप सिंह यादव (तकनीशियन-प्रथम, धौलपुर) ने रजत और राजस्थान विद्त उत्पादन निगम के रामेश्वर तेली (हाइडल ऑपरेटर-द्वितीय, रावतभाटा), जोधपुर डिस्कॉम के नरेश गोयल (तकनीशियन-प्रथम, जोधपुर)एवं जयपुर डिस्कॉम के शाकिर हुसैन (तकनीशियन-प्रथम, झालावाड़) ने कांस्य पदक जीता।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारकों को 31 मार्च तक करवाना होगा भौतिक सत्यापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में वृद्धावस्था, एकलनारी एवं विशेष योग्यजन श्रेणी के लगभग 5 लाख 95 हजार लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा पेंशन का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी चंदेल ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना नियम, 2013 के अनुसार सभी पेंशनधारकों का वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाया जाना अनिवार्य है। वर्तमान स्थिति के अनुसार जयपुर जिले में 72 हजार 756 तथा जयपुर शहर क्षेत्र में 64 हजार 180 पेंशनधारक अभी भी भौतिक सत्यापन से शेष हैं। बी.पी चंदेल ने बताया कि इस संबंध में बुधवार को नगर निगम के सभी उपायुक्तों की बैठक अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) द्वारा आयोजित की गई, जिसमें सभी लंबित पेंशनधारकों का भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2026 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी शेष पेंशनधारकों से अपील की गई है कि वे 31 मार्च 2026 तक अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र, स्मार्ट फोन या अधिकृत स्वीकृतकर्ता अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से अपना भौतिक सत्यापन करवा लें। यदि निर्धारित तिथि तक भौतिक सत्यापन नहीं कराया जाता है, तो संबंधित पेंशनधारकों की पेंशन बंद करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया जाएगा।

सरकारी स्कूलों में एआई से सशक्त होंगे शिक्षक और विद्यार्थी - मुख्य सचिव

- राजस्थान की शिक्षा में एआई की भूमिका विषय पर संवाद कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को यदि सोच-समझकर शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाए तो यह बुनियादी शिक्षा की प्रक्रिया को काफी मजबूत बना सकता है।' यह बात जिले मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कही। मुख्य सचिव मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संपर्क फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित 'राजस्थान की शिक्षा में एआई की भूमिका' विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि बुनियादी शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाने और शिक्षा से जुड़े निर्णय लेने एवं सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कहा कि राजस्थान ऐसे नए तरीकों को खोजने के लिए प्रतिबद्ध है जो शिक्षकों को सशक्त बनाते हैं, कक्षा में बच्चों की भागीदारी बढ़ाए और अधिक जवाबदेह बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के सीखने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी, शिक्षण विधियों और नीतियों को एक साथ लाने में एआई एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने स्कूल शिक्षा में एआई तकनीक की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में बुनियादी साक्षरता और

अंकज्ञान को बेहतर बनाने के प्रयासों में टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण सहायक भूमिका निभा सकती है, बशर्ते इसे शिक्षकों और विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए। उन्होंने शिक्षकों को भी इस तकनीक को सीखने और विद्यार्थियों को इस स्तर तक सक्षम बनाने की बात कही कि वे एआई से केवल उत्तर ही नहीं प्राप्त करें, बल्कि सही प्रश्न पूछना भी सीखें। संवाद कार्यक्रम में समग्र शिक्षा के वरिष्ठ अधिकारियों ने पैनल चर्चा में भाग लेते हुए राजकीय विद्यालयों की शिक्षा पद्धति में एआई की भूमिका और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। टैक्नोलॉजी आधारित शिक्षा के क्षेत्र में संपर्क फाउंडेशन के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस संवाद में डीओआईटी के सचिव रवि कुमार सुरपुर, फाउंडेशन के विनित नायर एवं राजेश्वर राव सहित राज्य के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालयों के अकादमिक विशेषज्ञ तथा टेक्नोलॉजी एवं नीति क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

आस्था के प्रतीक कैलादेवी लख्खी मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विशाल हेल्थ चेकअप कैंप और भंडारा

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। आस्था के प्रतीक कैलादेवी लख्खी मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए गांव रीठौली में श्री अजिर बिहारी ट्रस्ट की ओर से विशाल हेल्थ चेकअप कैंप, चिकित्सा शिविर और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। मेले में आने वाले हजारों यात्रियों को इस शिविर के माध्यम से निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं भंडारे में प्रसाद का वितरण कर श्रद्धालुओं की सेवा की जा रही है। पदयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए कढ़ी, चावल, दाल, पूड़ी, सब्जी, चाउमीन,

पोहा, छाछ, राबड़ी, हलवा सहित अन्य प्रसाद की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु ले रहे हैं। ट्रस्ट के फाउंडर प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि निशुल्क चिकित्सा शिविर और भंडारे का लाभ लेने वाले यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों और भंडारों से दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलती है। मेले में संत धर्मदास और संत किसनदास का विशेष सहयोग रहा।

6 साल की दो जुड़वां नन्ही बहिनें आयत ओर जुवेरिया माह-ए-रमजान में रोजा रखकर कर रही है अल्लाह की इबादत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहल्ला चेजारान निवासी 6 साल की दो जुड़वां नन्ही बहिनें आयत और जुवेरिया ना केवल पांच वक़्त की नमाज पढ़ कर रोजा रख रही है बल्कि पवित्र क़ुरआन शरीफ़ भी सिख रही है ओर अल्लाह ताला से दुआ भी कर रही है। इबादतों का पवित्र महिना माह-ए-रमजान में नन्हे रोजेदार भी भूखे-प्यासे रह कर अल्लाह की इबादत कर रहे हैं रमजान में बड़ों के साथ छोटे बच्चे भी रोजा रखकर खुदा की इबादत में पीछे नहीं है, मोहल्ला

चेजारान में 6 साल की दो जुड़वां नन्ही बहनें आयत और जुवेरिया ना केवल पांच वक़्त की नमाज पढ़ रोजा रख रही है बल्कि पवित्र क़ुरआन शरीफ़ भी सिख रही है, अल्लाह ताला से दुआ भी कर रही है, आयत ओर जुवेरिया के दादा फारूक जमाल एवं दादी शहनाज ने बताया की माह-ए-रमजान में नन्हे रोजेदार रोजा रखकर पांच वक्त की नमाज अदा कर खुदा के आगे सजदा कर रहे हैं, सेहरी और इफ्तार भी समय पर कर रहे हैं, जिले में सैकड़ों ऐसे बच्चे हैं, जिन्होंने पहली बार रोजा रखने के साथ साथ नियम का पालन भी कर रहे हैं, ये भूखे-प्यासे रहकर अल्लाह की इबादत भी कर रहे हैं।

कॉलेज शिक्षा पीटीआई भर्ती: इंटरव्यू की मांग को लेकर चूरू विधायक हरलाल सहारण को सौंपा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) द्वारा आयोजित कॉलेज शिक्षा विभाग में पीटीआई (शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक) भर्ती 2023 की प्रक्रिया को पूर्ण करवाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में आज अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने चूरू विधायक हरलाल सहारण से उनके निवास पर मुलाकात की और भर्ती के इंटरव्यू जल्द आयोजित करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। 2 साल से अधूरा है भर्ती का सपना मुलाकात के दौरान अभ्यर्थियों ने विधायक को बताया कि इस भर्ती का विज्ञापन वर्ष 2023 में जारी किया गया था। लिखित परीक्षा और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद, लंबे समय से

इंटरव्यू की तिथि घोषित नहीं की गई है। इसके कारण प्रदेश के सैंकड़ों योग्य अभ्यर्थी मानसिक तनाव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। विधायक ने दिया सकारात्मक आश्वासन विधायक हरलाल सहारण ने अभ्यर्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे इस विषय में संबंधित अधिकारियों और सरकार के समक्ष पैरवी करेंगे ताकि साक्षात्कार की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सके और युवाओं को समय पर नियुक्ति मिल सके। ये रहे मौजूद मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल में संजय लोहान, पंकज लाम्बा, अरुण लाम्बा, निशांत, नीतेश, अनिल, हरविंदर, डॉ. पिंकेश, प्रकाश और शंकर सहित कई अभ्यर्थी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार से आग्रह किया है कि आरपीएससी जल्द से जल्द इंटरव्यू का शेड्यूल जारी करे।

मोहल्ला लुहारान में दावत-ए-इफ्तार का सफल आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के वार्ड नं. 51 एवं 52 स्थित मोहल्ला लुहारान में दावत-ए-इफ्तार का सफल आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसमाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया तथा दावत-ए-इफ्तार के साथ ही देश में अमन चैन सकून भाईचारा व देश की तरक्की उन्नति खुशहाली की दुआ की गई। इस अवसर पर मोलाना आरफ रजा, अनारद्दीन लुहार, करामत अली लुहार, मोसमद्दीन लुहार, सलाउद्दीन लुहार, अज्जु लुहार, अय्यूब लुहार, मुस्ताक लुहार, जाफर लुहार, महबूब लुहार, मोबद्दीन लुहार, सुरेश कुमार सैन, डॉ. अहसान गौरी, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, आसिफ खान, शोयल खान डीके, फारूक लुहार, हाजी बशीर द्दीन, साकीर लुहार, असलम लुहार,

साबीर लुहार, उस्मान गनी, सरवर लुहार, फारूक खां, आमीन लुहार, हनीफ लुहार, अलीशेर लुहार, मजीद लुहार, उम्मैद लुहार, रफीक लुहार, असगर लुहार सहित बड़ी संख्या में मोहल्ला लुहारान के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राजस्थान दिवस के अवसर पर पंजाबी भाषा अकादमी द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार राजस्थान दिवस के अवसर पर राजस्थान पंजाबी भाषा अकादमी द्वारा जिला परिषद श्रीगंगानगर के प्रांगण में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में बलदेव सिंह बराड़ और विशिष्ट अतिथि विकास अधिकारी भंवर लाल स्वामी रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। डॉ. मीनाक्षी आहुजा द्वारा राजस्थान पंजाबी भाषा अकादमी का परिचय देते हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया। कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम राजकीय

कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर से कुमारी अर्चना ने अपनी प्रथम प्रस्तुतिं सुनाकर समा बांधा। इसके उपरान्त हरमनपाल कौर धौंसी सहारणांवाली, नेहा अरोड़ा, श्रीमती सिमरजीत कौर, श्रीमती शमिन्द्र कौर, श्रीमती परमजीत कौर 'रीत', वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती मीनाक्षी आहुजा द्वारा अपनी कविताओं में आज के वातावरण में लड़कियों की असुरक्षा पर कविता सुनाई, जसदीप सिंह ने अपनी रचनाएं सुनाई। इसी क्रम में हरियाणा से आई श्रीमती वन्दना वाणी द्वारा अपनी कविताओं को भी गा कर सभी श्रोताओं का दिल जीत लिया। पंजाब से आमंत्रित कवि रसदीप सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार बलविन्द्र सिंह चाहल पदमपुर ने अपनी मीठी वाणी में चार साहिबजादों के दर्द और शहादत की दास्तान सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। अन्त में कार्यक्रम के अध्यक्ष बराड़ व मुख्य अतिथि स्वामी द्वारा सभी उपस्थित कवियों को सम्मान प्रतीक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बराड़ ने कहा कि राजस्थान दिवस के अवसर पर जो कार्यक्रम समस्त राजस्थान में करवाये जा रहे हैं वे राज्य सरकार का सराहनीय कार्य है। अकादमी के सचिव डॉ. एन.पी. सिंह द्वारा आए हुए समस्त कवियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन श्रीमती शमिन्द्र कौर तथा डॉ. मीनाक्षी आहुजा ने किया। कार्यक्रम में शशि भूषण शर्मा, जगदीश कुमार कामरा, महेन्द्र कुमार, नवदीप सिंह, सुखमहेन्द्र सिंह, सूरज सारसर, मनीराम सेतिया, डॉ. बबीता काजल, श्रीमती नीतू बिश्नोई, तर्कशील सोसायटी के अध्यक्ष सरदूल सिंह, सरपंच कुम्भा राम, सरदार नवजोत सिंह बराड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

-अटल ज्ञान केन्द्रों में ग्रामीण युवाओं को मिलेगी ई-लर्निंग की सुविधा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। अटल ज्ञान केंद्रों में प्रेरकों के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने कौशल को विकसित कर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के स्व-अध्ययन व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आमजन की पठन प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए इन केन्द्रों पर ई-पुस्तकालय की सुविधा भी विकसित की जायेगी। वित्त एवं विनियोग विधेयक (बजट 2026-27) में मुख्यमंत्री शर्मा ने 27 फरवरी 2026 को प्रदेश में आगामी वित्तीय वर्ष में एक हजार अतिरिक्त अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना करने की घोषणा की है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को ई-लर्निंग की सुविधा प्रदान करने की दिशा में वर्तमान में 1800 से अधिक अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इन केंद्रों की स्थापना से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले तथा पढ़ने में रुचि रखने वाले ग्रामीण युवाओं को शहरों जैसी सुविधाएं उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेंगी। गांव में ही बेहतर संसाधन मिलने से समय और धन दोनों की बचत होगी। अटल ज्ञान केंद्रों के माध्यम से गांवों में शिक्षा और तकनीक के बीच की दूरी को प्रभावी रूप

से कम किया जा सकेगा। अटल ज्ञान केन्द्रों के माध्यम से आमजन को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इससे वे अपने गांव में ही ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना से प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी अधिक पारदर्शी और सरल बनेंगी। यह पहल ग्रामीण युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक बनेगी। अटल ज्ञान केंद्र में ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां सामान्य पुस्तकें तथा शैक्षणिक सामग्री डिजिटल रूप में मौजूद रहेगी। कंप्यूटर और इंटरनेट की व्यवस्था से युवा ऑनलाइन अध्ययन कर सकेंगे। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित सेक्शन होगा, जहां अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। इसके अलावा कॅरियर परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। केंद्रों में ई-मित्र और कॉमन सर्विस सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे, जहां नागरिक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। प्रत्येक केंद्र में एक प्रशिक्षित 'अटल प्रेरक' नियुक्त किया जाएगा, जो दैनिक संचालन का प्रबंधन करेगा और नागरिकों को सहायता प्रदान करेगा। यह प्रेरक स्थानीय युवा होगा, जिसे विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, इससे स्थानीय रोजगार भी सृजित होगा। अटल ज्ञान केंद्र न केवल शिक्षा का माध्यम बनेंगे बल्कि सामाजिक परिवर्तन के वाहक भी साबित होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अटल ज्ञान केंद्र योजना की घोषणा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 25 दिसंबर 2024 को सुशासन दिवस के अवसर (पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती) पर की गई थी। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध रूप से लाइब्रेरी व ई-लर्निंग सुविधाओं के साथ ये केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन द्वारा कोटा में रमजान राशन किट का वितरण

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । दावते इस्लामी इंडिया के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन (जीएनआरएफ) ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल भी रमजान में जरूरतमंदों के लिए राशन किट वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस मुबारक महीने में, कई लोगों ने जरूरतमंदों की मदद करने के इस नेक काम में अपना योगदान दिया, जिससे बड़ी संख्या में परिवारों को लाभ हुआ यह कार्यक्रम लोगों को भूख और गरीबी से मुक्त कराने की दिशा में एक कदम है। इस कार्यक्रम के तहत तकरीबन 400 परिवारों को राशन किट वितरित किए गए। प्रत्येक राशन किट में दैनिक आवश्यक खाद्य सामग्री जिनमें मुख्य चावल, आटा, दालें, चीनी, चाय, खजूर, मसाले और अन्य जरूरी चीजें शामिल थीं।

गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन की जिम्मेदार अरशद अंसारी ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों और सहयोगियों को हार्दिक धन्यवाद दिया और कहा कि गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन इसी प्रकार से मानवता की सेवा करती रहेगी और भविष्य में भी ऐसे नेक कार्य करने का हमारा संकल्प है हम सभी से सहयोग का अनुरोध करते हैं ताकि हम भविष्य में और अधिक जरूरतमंद लोगों की मदद कर सकें।

दलिट्ल विंग प्ले स्कूल का शुभारंभ

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/गोलूवाला (रॉयल पत्रिका)। उमेवाला रोड़ पर स्थित शिक्षण संस्थान द लिटिल विंग प्ले स्कूल का शुभारंभ पूजा अर्चना व सामुहिक कार्यक्रम के साथ विधिवत तरीके से एंव धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसीबीओ लक्ष्मीकांत स्वामी ने शिरकत की।इस दौरान स्कूल स्टाफ ने आये हुए सभी अतिथियों एंव नागरिकों का तिलक लगाकर स्वागत किया।प्रिंसिपल श्रीमती तुषा उपाध्याय ने आमजन को स्कूल के वर्तमान और भविष्य के पाठ्यक्रम से अवगत करवाया तथा शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में उनकी क्या योजनाएं हैं जिसका विस्तार से वर्णन किया। इन्होंने कहा कि द लिटिल विंग स्कूल गुरुकुल शिक्षा और मॉडर्न एजुकेशन को आधार बनाकर होलिस्टिक एजुकेशन शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक व नैतिक भावनात्मक चारित्रिक शिक्षा का समावेश करेंगे। इन्होंने बताया को स्कूल में बच्चों को पूरी तरह डिजिटल रूप से अध्यापन कार्य करवाया जाएगा। अंत मे इन्होंने आये हुए सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पूरे स्कूल का विजिट करवाया।जगदीश सारस्वत, सुरजीत सुथार, सुभाष बिश्नोई, राजेन्द्र सिहाग, पूर्णराम डेलू, जगदीश धारणियां, अन्नपूर्णा न्यौल, शिवप्रकाश बिश्नोई, ओमप्रकाश सिहाग, सूरज सिंह औलख, ओमप्रकाश जलंधरा, अंतराम वर्मा, जगवीर भुल्लर सहित प्रबंधन समिति के विष्णु धारणियां, रणवीर पुनियाँ व दयाराम राधे उपस्थित रहे।

महिला पेट्रोलिंग पुलिस 'कालिका' द्वारा कृष्णा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली शहर में बालिकाओं की सुरक्षा और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज महिला पेट्रोलिंग पुलिस टीम 'कालिका' द्वारा कृष्णा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एक दिवसीय आत्मरक्षा (Self-Defense) क्लास का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में 'कालिका' टीम के सदस्यों ने छात्राओं को विषम परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा स्वयं करने के व्यावहारिक तरीके और तकनीकें सिखाईं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के निदेशक सुनील जोशी और प्राचार्य हिमांशु सोनी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ के उत्पल सिंह, निर्मल सिंह, अम्बा लाल वैष्णव, भावना और हीरा लाल उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वास जोशी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के अंत में छात्राओं ने आत्मरक्षा के इन गुरों को सीखने के प्रति भारी उत्साह दिखाया।

ईद के अवसर पर मुस्लिम समाज के जरुरतमंद लोगों को अतिशीघ्र रसोई गैस सिलेंडर दिलाने की मांग की

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा शहर जिला उदयपुर ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर ईद के अवसर पर मुस्लिम समाज के जरुरतमंद लोगों को अतिशीघ्र रसोई गैस सिलेंडर दिलाने की मांग की है। मोर्चा ने ज्ञापन में बताया कि 20 या 21 मार्च 2026 को मुस्लिम समुदाय का ईद उल फितर का त्योहार है और कई मुस्लिम परिवारों के पास रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं होने से परेशानी बढ़ रही है। रमज़ान माह में रसोई घर में गैस की खबत अधिक होने से गैस सिलेंडर एक महीने भी नहीं चलता है, ऐसे में

सरकार द्वारा सप्लाई से 25 दिन के बाद एवं सिलेंडर बुकिंग होने के 8 से 10 दिन बाद सप्लाई होने से काफी दिक्कत हो रही है। ऐसे में तीन चार दिन बाद ईद का त्योहार सर पर है और जरुरत मंद मुस्लिम समुदाय के लोग गैस एजेंसियों के चक्कर काट रहे हैं परन्तु कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। लिहाजा जिन मुस्लिम परिवारों को गैस सिलेंडर सप्लाई नहीं हो पा रहे हैं या जिनकी 25 दिन पूर्व बुकिंग नहीं हो पा रही हैं उन्हें विशेष रूप से तुरंत रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के गैस एजेंसियों को आदेश प्रदान करें। जिससे जरुरतमंद परिवार अपना त्योहार हर्षोल्लास के साथ मना सकें। इस अवसर पर मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर अली सिद्दीकी, महामंत्री मोहम्मद इम्तियाज, इकबाल खान, जिला मंत्री आमीन सिलावट, हारुन खान, रजिया शाह, युसुफ मंसूरी आदि उपस्थित थे।

रमजान खुशियों और बरकतों का सबसे पवित्र महीना है - हाजी याकूब थीम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से समाजसेवी हाजी याकूब थीम ने कहा कि रमजान खुशियों और बरकतों का सबसे पवित्र महीना है, जिसे दुनिया भर के मुसलमान बहुत उत्साह खुशी से मनाते हैं। यह इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है, जिसमें पूरे 30 दिनों तक रोज़े (उपवास) रखे जाते हैं। इस दौरान लोग सुबह सूरज निकलने से पहले 'सेहरी' और शाम को सूरज ढलने पर 'इफ्तार' करते हैं। यह महीना केवल भूखा रहने का नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, धैर्य और अल्लाह की इबादत का समय है। रमजान में लोग कुरान पढ़ते हैं और अपनी गलतियों की माफी मांगते हैं। इस महीने में दान (जकात और सदका) का विशेष महत्व है, जिससे गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की जाती है। महीने के अंत में चाँद दिखने पर 'ईद-उल-फितर' का त्यौहार

मनाया जाता है, जो आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशियों का प्रतीक है। माहे रमज़ान इस्लाम का सबसे पवित्र और बरकत वाला महीना है। इस महीने की सबसे बड़ी इबादत रोज़ा (व्रत) रखना है, जो हर सेहतमंद और बालिग मुसलमान पर फर्ज़ (अनिवार्य) है। कुरान के अनुसार, रोज़ा इसलिए फर्ज़ किया गया है ताकि इंसान परहेजगार (संयमी) बन सके और अल्लाह की इबादत का हक अदा कर सके। इस दौरान सूर्योदय से सूर्यास्त तक खाने-पीने और बुराइयों से दूर रहना होता है। रमज़ान के मुख्य फर्ज़ और नेक काम इस प्रकार हैं: रोज़ा रखनाः यह इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है। कुरान की तिलावतः इसी महीने में कुरान का अवतरण हुआ था, इसलिए इसे ज़्यादा से ज़्यादा पढ़ना चाहिए। ज़कात और सदकाः गरीबों की मदद करना और अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा दान करना इस महीने में और भी अहम हो जाता है। नमाज़ और तरावीहः रातों में विशेष नमाज़ (तरावीह) अदा करना सुन्नत और सवाब का काम है। खुशियां नसीब हो जन्नत नसीब हो, तू चाहे जिसे वो तेरे करीब हो, कुछ इस तरह हो करम अल्लाह का कि मक्का और मदीना की जियारत नसीब हो। यह महीना सब्र, शुक्र और भाईचारे का संदेश देता है, जहाँ अमीर लोग भूख का एहसास कर गरीबों के दर्द को समझते हैं।

राजस्थान महिला कांग्रेस की जनरल सेक्रेटरी पायल सैनी को जोधपुर अर्बन जिले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह द्वारा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा की अनुशंसा पर जारी इस आदेश में चूरू जिले की जानी-मानी महिला नेता राजस्थान महिला प्रदेश काँग्रेस की जनरल सेक्रेटरी पायल सैनी को जोधपुर अर्बन जिले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पायल सैनी इससे पूर्व चूरू नगर परिषद की सभापति रह चुकी हैं, जहाँ उन्होंने अपने 5

वर्षों के कार्यकाल में उल्लेखनीय एवं जनहितकारी कार्य करते हुए आमजन का विश्वास जीता। उनके कार्यकाल में शहर के विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कई प्रभावी निर्णय लिए गए, जिसकी व्यापक सराहना हुई। पायल सैनी की यह नियुक्ति चूरू जिले के लिए गर्व का विषय है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर पायल सैनी ने कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरते हुए संगठन को मजबूत करने, महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगी। प्रदेश नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि यह नियुक्तियाँ संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेंगी तथा महिला कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाएंगी।

सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर समापन समारोह

बारां । रूडसेट संस्थान की ओर से संचालित सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन बुधवार को हो गया। संस्थान के निदेशक देवेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि यह प्रशिक्षण निशुल्क दिया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में 58 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर के साथ-साथ व्यवसाय करने के तरीके, बैंक एवं बीमा की जानकारी भी विस्तार से प्रदान की गई जिससे प्रशिक्षणार्थियों को व्यवसाय प्रारंभ करने में आसानी हो सके। संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिरुद्ध बबेरवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को

प्रमाण पत्र वितरित किए तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही स्वरोजगार शुरू कर भविष्य को नई दिशा देने का आह्वान किया। संस्थान में आगामी अप्रेल माह में फ्रीज़, एसी एवं मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके लिए आवेदन लेने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

लाडनूं सहित विभिन्न पुलिस थानों द्वारा 'पुलिस जन सहभागिता कार्यक्रम एवं यातायात व साइबर जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित

-यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में किया गया जागरूक

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस प्राथमिकताएं- 2026 के अंतर्गत पुलिस जन सहभागिता कार्यक्रम एवं यातायात व साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत पुलिस थाना जसवंतगढ, लाडनूं, मौलासर व परबतसर क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया गया। सभी क्षेत्रों में ये कार्यक्रम जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती ऋचा तोमर के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, लाडनूं वृताधिकारी जितेन्द्र सिंह चारण व डीडवाना वृताधिकारी जेठू सिंह के सुपरविजन में जिले में पुलिस एवं आमजन के बीच संवाद एवं सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं।

लाडनूं में हाईवे पर किया गया लोगों को जागरूक

इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत पुलिस थाना लाडनूं द्वारा थानाधिकारी शिम्भूदयाल मीणा के सुपरविजन में लाडनूं थाने के पुलिस जाप्ता द्वारा यहां नेशनल हाई-वे 58 पर आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया पर जिम्मेदार व्यवहार तथा नवीन आपराधिक कानूनों के संबंध में विस्तार

से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति के महत्व के बारे में बताते हुए युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कसूम्बी में कार्यक्रम आयोजित

इसी वृत में जसवंतगढ पुलिस थाना द्वारा थानाधिकारी राजेश कुमार द्वारा कस्तूरबा गांधी विद्यालय कसूम्बी में पुलिस जन सहभागिता एवं सड़क सुरक्षा, साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाकर यातायात नियमों की पालना, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया का जिम्मेदार एवं संयमित उपयोग, नवीन आपराधिक कानूनों की जानकारी तथा नशा मुक्ति के संबंध में भी जागरूक किया गया।

विद्यालय में विद्यार्थियों को किया जागरूक

पुलिस थाना मौलासर के थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह द्वारा बी.आर. मिर्धा स्कूल में पुलिस जन सहभागिता एवं सड़क सुरक्षा, साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी जाकर अभिभावकों को यातायात नियमों की पालना करवाने के लिए जागरूक करने की सलाह दी गई। इस दौरान बढते साइबर अपराधों से सुरक्षा हेतु साइबर फोड के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसी प्रकार परबतसर पुलिस थाना की थानाधिकारी श्रीमती सुमन बुंदेला के सुपरविजन में पुलिस जाप्ता द्वारा ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई तथा साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक किया गया एवं नवीन कानून के बारे में बताया।

जिला पुलिस की आमजन से अपील

डीडवाना-कुचामन जिला पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखें, कानून एवं यातायात नियमों का पालन करें तथा किसी भी सदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, जिससे जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन का जिले में तूफानी दौरा - जागरवाल

-वरिष्ठ कांग्रेसजनों का किया सम्मान

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल और वरिष्ठ कांग्रेसनेता निहालचन्द जैन द्वारा पिछले 2 दिनों से पाली जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र में दौरा कर पाली जिले के अनुभवी, निष्ठावान, कर्मठ, पुराने जाबाज कार्यकर्ताओं को आगामी नगर निकाय, पंचायतीराज, विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से इन सभी वरिष्ठ कांग्रेजसनों से मिलकर फूलमालाओं से इनका बहुमान किया गया। इस दौरान जिले के वरिष्ठ एवं अनुभवी कांग्रेस नेताओं से मुलाकात कर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अभी से आव्हान किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जागरवाल ने कहा कि इन अनुभवी लोगों के बिना जिला अधूरा है। इन चुनावों में अनुभवी लोगों का जनता के बीच अच्छी पेठ होने के कारण कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। इस दौरान सुमेरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा, कांग्रेस नेता सुमेरसिंह मनवार, सुमेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष नेपालसिंह पावा, सांडेराव अब्दुल

इब्राहीम भाई सिलावट, सरदार इन्द्रजीतसिंह अहलुवालिया, पूर्व सभापति बाली श्रीमती इन्द चौधरी, सादड़ी गोविन्द व्यास, गजाराम जाट, नगर अध्यक्ष पुखसिंह राजपुरोहित मादा, रानी नरेन्द्रसिंह कच्छवाह, गुडा मेहराम सरपंच/प्रशासक सकाराम चौधरी, मुन्नालाल मेघवाल देवली, सोजत शंकरलाल बामणिया, अब्दुल गनी खां ताजक, असलम खां मेहर, रामचन्द्र चौधरी राजोला, विरमराम मेघवाल शिवपुरा, चुन्नीलाल मेघवाल रेपड़ावास, एडवोकेट राहुल बामणिया सोजत रोड़, विजेन्द्रसिंह चौधरी, नवरतनमल शर्मा, शमशुदीन तेली, मांगीलाल मेघवाल आलावास, अशफाक अहमद कुरैशी मारवाड़ जंक्शन, हाजी मोहम्मद खान पठान, प्रदेश सचिव पोपट भाई पटेल, विधानसभा समन्वयक प्रहलाद कंडारा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नागेन्द्र गुर्जर, पुखराज सीरवी, घीसाराम बाड़सा, अध्यक्ष श्रवणसिंह राजपुरोहित विठोड़ा रानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता भरत काक से मुलाकात कर इन सभी का बहुमान किया। साथ ही इन सभी अनुभवी नेताओं के अनुभव से कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत के तौर पर आने वाले नगर निकाय, पंचायतीराज, विधानसभा और खासकर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूत होकर बेहतर परिणाम हासिल करेगी।

हमिदखानी परिवार की तीसरी पीढ़ी की विरासत — आर्मी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित आथूना मोहल्ला मरहूम शकरू ख़ान हमिदखानी आर्मी में थे। उन्होंने अपने बेटों को भी देश सेवा के लिए आर्मी में जाने के लिए प्रेरित किया। इसका नतीजा यह रहा कि उनके बेटे आरिफ़ ख़ान और मुबारिक ख़ान दोनों आर्मी में सूबेदार बने। आरिफ़ ख़ान सूबेदार पद से रिटायर होकर इस समय शिक्षक प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं और अपनी तीसरी पीढ़ी, यानी अपने बेटे हसन ख़ान को अपने पिता की विरासत सौंप चुके हैं। हसन ख़ान भी आर्मी में हैं। आरिफ़ ख़ान ने अपने बेटे हसन की शादी बिना दहेज के की। उनके छोटे बेटे आफ़ताब ख़ान विदेश की एक बेहतरीन यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस कर रहे हैं। वे अपने डॉक्टर बेटे की शादी भी बिना दहेज के ही करेंगे।

युवाओं के लिए प्रेरणा:

सूबेदार आरिफ़ ख़ान युवाओं को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं। वे कहते हैं कि उनका निवास स्थान तुगलक कॉलोनी में खुले मैदान में है। अगर कोई भी युवा आकर मिलिट्री की ट्रेनिंग लेना चाहता है और देश के लिए कुछ कर गुजरने का मजबूत इरादा रखता है, तो वे ऐसे युवाओं को खुद बिल्कुल मुफ्त ट्रेनिंग देंगे। वे चाहते हैं कि मिलिट्री में उनकी कौम के घटते हुए पदों को बचाया जा सके और इसके लिए वे लगातार युवाओं को आर्मी की ओर प्रेरित कर रहे हैं। सूबेदार आरिफ़ ख़ान एक बहुत ही साधारण परिवार से निकलकर आगे बढ़े हुए युवा हैं। वे हंसमुख मिजाज, सरल स्वभाव और कौम के लिए चिंता करने वाले इंसान हैं।"

मस्जिद लोहारान के इमाम को तोहफे में दी मोटरसाइकिल

-मोहल्ले वासियों द्वारा दिया गया नगद नजराना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लुहारो के मोहल्ला स्थित मस्जिद के इमाम मौलाना आरफ रज्जा मिस्बाही को माहे रमजान में मस्जिद में कई वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे। मौलाना साहब को तोहफा एव नज़राने के तौर पर एक मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स हीरो होंडा एवं नगद राशि तोहफा-ए-नजराना के रूप में मोहल्ले वासियों द्वारा अदा की गई और आप लुहारान मस्जिद में इमामत करते हैं। बेहद ही संजीदा इंसान है। आपकी तारीफ की जाए उतनी ही कम है। आपकी सेवाओं को मध्य नजर रखते हुए। आपको यह तोहफा-ए-नजराना दिया गया। यह एक अच्छी पहल है की अपनी मस्जिद के इमाम का मान और सम्मान करना चाहिए यह एक अच्छी पहल है।

स्व. सांसद मोहरसिंह राठौड़ के जीवन-दर्शन से प्रेरित रहीं हूं : ऋतु शेखावत

-स्व. सांसद मोहरसिंह राठौड़ की पौत्रवधू तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पृथ्वीसिंह राठौड़ की पुत्रवधू, ऋतु शेखावत को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से IIS (Deemed to be University) के 11वें दीक्षांत समारोह में आज स्व. सांसद मोहरसिंह राठौड़ की पौत्रवधू तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पृथ्वीसिंह राठौड़ की पुत्रवधू, ऋतु शेखावत को अर्थशास्त्र में प्रस्तुत शोध-प्रबंध— "A Study of Trade Relations Between India and Gulf Cooperation Council (GCC) Countries." में डॉक्टरेट (PhD) की उपाधि प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊ किसनराव बागड़े और विशिष्ट अतिथि के रूप में दिया कुमारी उप मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त कुलाधिपति अमित गुप्ता, कुलपति टी एन माथुर तथा प्रो. वी के सिंह (Indian Institute of Technology Kanpur) सहित अनेक शैक्षणिक व प्रशासनिक गणमान्य उपस्थित रहे। महामहिम ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को बदलने की सबसे प्रभावी शक्ति है और विशेष रूप से महिलाओं

तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना राष्ट्रनिर्माण की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षण संसाधनों के विस्तार, छात्रवृत्ति-विकल्पों के सुदृढ़ीकरण और सामाजिक बाधाओं को दूर करने के लिए नीतिगत पहलों पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "सशक्त और शिक्षित महिला ही नव-भारत की रीढ़ है," और विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया कि वे छात्राओं के लिए अधिक अवसर, अनुदान एवं शोध-समर्थन सुनिश्चित करें जिससे महिला प्रतिभा उच्च शिक्षा व अनुसंधान में सुचारू रूप से बढ़ सके। समारोह में शैक्षणिक गरिमा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास पर भी बल दिया गया। कार्यक्रम का समापन स्नातकों के अभिनंदन तथा वरिष्ठों द्वारा नई पीएचडी को शुभकामनाएँ देने के साथ हुआ। डॉ. ऋतु शेखावत ने इस उपलब्धि का श्रेय ईश्वर, अपने पति पुण्यप्रताप सिंह, माता-पिता, सास-ससुर और परिवार को दिया है। उन्होंने कहा कि वे सदैव अपने दादा-ससुर स्व. सांसद मोहरसिंह राठौड़ के जीवन-दर्शन से प्रेरित रहीं हैं और आगे भी कन्या-शिक्षा के प्रति उनकी समर्पित भावना को आगे बढ़ाती रहेंगी। वर्तमान में डॉ. ऋतु शेखावत जयपुर के एक प्रतिष्ठित निजी कन्या महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में सहायक-प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं।

विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर ने नवनियुक्त अध्यक्षों का किया स्वागत

बनेड़ा/शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर के निवास पर तीनों नव नियुक्त कांग्रेस के नगर अध्यक्ष विधायक प्रत्याशी के निवास पर पहुंचकर नरेंद्र कुमार रेगर को माला व साफा बनवाकर तीनों अध्यक्षों ने नरेंद्र कुमार रेगर का आभार व्यक्त किया बाद में विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर ने तीनों अध्यक्षों को माला व साफा मिठाई खिलाकर बधाई दी इसी दौरान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने तीनों नवनियुक्त अध्यक्षों को मुंह मीठा करके हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर ने बताया कि यह तीनों नगर अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस को मजबूती मिलेगी और यह अध्यक्ष जमीनी स्तर पर कार्य करते हैं नरेंद्र कुमार ने कहा है कि

- राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई नियुक्ति की है। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर रमेश सेन को शाहपुरा नगर कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया व बनेड़ा नगर अध्यक्ष भंवर रेगर को नियुक्त किया गया इसी के साथ रायला नगर अध्यक्ष अनिल कुमार कोगटा को नियुक्त किया गया इस फैसले के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नव नियुक्त पर प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने टीकाराम जूली, अशोक गहलोत, सचिन पायलट, धीरज गुर्जर सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे पार्टी के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। इस दौरान पूर्व उप सरपंच राकेश कोगटा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि सुनील मिश्रा बनेड़ा इमरान अंसारी, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चूरू महोत्सव — 2026 में आयोजित होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराण के निर्देशन में चूरू जिला मुख्यालय पर बागला स्कूल खेल मैदान में गुरुवार, 19 मार्च से 21 मार्च, 2026 तक आयोजित किए जाने वाले चूरू महोत्सव— 2026 के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 मार्च को सवेरे 07 बजे विरासत कार्निवल यात्रा के दौरान चंग—ढप (समूह) प्रतियोगिता, सवेरे 10 बजे से रंगोली प्रतियोगिता, सवेरे 11 बजे से समूह नृत्य प्रतियोगिता, दोपहर 02 बजे पेंटिंग प्रतियोगिता, सायं 03 बजे से साफा बांधना प्रतियोगिता तथा दोपहर 12 बजे से सायं 03.30 बजे तक एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 20 मार्च को सवेरे 9 बजे वादन प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता एवं लोक गीत गायन प्रतियोगिता, एकल नृत्य प्रतियोगिता, एवं सायं 04 बजे रस्साकसी (समूह) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 21 मार्च को सवेरे 10 बजे से मिस/मिसेज/मिस्टर चूरू (पारंपरिक परिधान) प्रतियोगिता, सवेरे 11 बजे से मेहंदी प्रतियोगिता, दोपहर 12 बजे से विचित्र वेशभूषा एवं दोपहर 01 बजे कविता पाठ (मौलिक सृजन स्वरचित व काव्य प्रस्तुति प्रतियोगिता) का आयोजन किया जाएगा। बागला स्कूल खेल मैदान पर चूरू महोत्सव के आयोजन के दौरान कला मंच में समस्त प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

"अपराधियों में भय" मिशन के तहत बड़ी कार्रवाई: मण्डावर पुलिस ने अवैध कट्टे के साथ आरोपी को दबोचा

शफीक अली

मण्डावर/दौसा (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में "अपराधियों में भय" अभियान के तहत मण्डावर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध देशी कट्टा 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौसा योगेन्द्र फोजदार के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी महवा मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर 16 मार्च 2026 की रात करीब 8:30 बजे चीमापुरा क्षेत्र में दबिश दी। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति टीनशेड में खड़ा है और उसके पास अवैध हथियार हो सकता है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध देशी कट्टा 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी लोकेश उर्फ लोकी मीना (25 वर्ष) निवासी खेड़ामंगलसिंह, थाना रैणी जिला अलवर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिससे उसका आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर लिया है और मामले में गहन अनुसंधान जारी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रवीण कुमार सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों की अहम भूमिका रही।

विशेष योग्यजन शिविर में 105 सहायक उपकरणों का नि:शुल्क वितरण

-दिव्यांगजनों को मिला सहारा, जीवन को सुगम बनाने की पहल

सवाई माधोपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सवाई माधोपुर एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, कोटा के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, साहूनगर में विशेष योग्यजन उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पात्र दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शिविर के दौरान कुल 105 सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनमें 12 कृत्रिम हाथ-पैर (जयपुर फुट), 28 एन्कल-फुट ऑर्थोसिस, 11 बैसाखियां, 2 ब्लाइंड स्टिक, 18 ट्राईसाइकिल, 13 व्हीलचेयर, 10 एल्बो कर्चिसिसि, 5 वॉकर एवं 6 श्रवण यंत्र शामिल हैं। इन उपकरणों से दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन

में आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मनोज कुमार गहलोत ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके जीवन को अधिक सुगम बनाना है। शिविर में भगवान महावीर सेवा समिति के सचिव प्रवीण भण्डारी, डॉ. दीनदयाल रावल सहित विशेषज्ञ टीम तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे, जिन्होंने उपकरणों के चयन एवं वितरण में सहयोग प्रदान किया।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ महाआरती कार्यक्रम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को जिला मुख्यालय पर गढ़ परिसर में स्थित राजकीय मंदिर (गोपालजी मंदिर) में महाआरती कार्यक्रम आयोजित किया गया। चूरू विधायक हरलाल सहारण, एडीएम अर्पिता सोनी, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारियों व शहरवासियों ने पूजा - अर्चना की और देश प्रदेश में खुशहाली की कामना की। महंत रघवदास, पंडित उमेश व्यास, पंडित देवेश शर्मा ने पूजा-अर्चना करवाई। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया और राजस्थान स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान एसीईओ भागचंद खारिया, कोतवाल सुखराम चोटिया, देवस्थान विभाग से महेश कुमार, राजेश दाधीच, सुरेश सारस्वत, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, सुनील भाऊवाला, धर्मेंद्र राकसिया, श्रीराम पीपलवा, आकाश सैनी, राजीव, रवि दाधीच, नीरज जांगिड़ सहित अन्य ने पूजा अर्चना कर महाआरती में भाग लिया।

शिविर में 35 यूनिट रक्तदान, 230 की स्वास्थ्य जांच

बारां । चम्बल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड, गढ़ेपान द्वारा अनुरक्षित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 35 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर में 230 प्रशिक्षणार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया गया। संस्थान के कार्यवाहक प्रधानाचार्य निशान्त कुमार दाधीच ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा युवाओं में सेवा भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने बताया कि सीएफसीएल गढ़ेपान के सहयोग से हुमाना पीपुल टु पीपुल इण्डिया द्वारा संचालित आरोग्य प्रोजेक्ट के द्वारा संस्थान में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 230 प्रशिक्षार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में संस्था की ओर से सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण पतरथ व डॉ. शशांक शर्मा ने स्वास्थ्य जांच की तथा संस्था के कार्यकर्ताओं ने सभी प्रशिक्षणार्थियों व विद्यार्थियों को मेंटल हेल्थ, योगा

एवं मेडिटेशन के प्रति जागरुक किया। कोटा ब्लड बैंक सोसायटी के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में सीएफसीएल टीम, आरोग्य प्रोजेक्ट की टीम, कोटा ब्लड बैंक सोसायटी से डॉ. पीएस झा, स्वाति ओझा, ब्लड बैंक की मेडिकल टीम तथा राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में संस्थान के सभी विद्यार्थियों, विभागाध्यक्षों एवं प्रवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया।

द ग्रेट ग्रांड... का टीजर जारी, नए किरदार में नजर आए जैकी

मुंबई। जैकी श्रॉफ की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो- एलियंस का आगमन' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें जैकी श्रॉफ सुपरहीरो के किरदार में नजर आए हैं। टीजर दर्शकों को बचपन के जादू और कल्पना की दुनिया में ले जाता है। एक मिनट सात केकंड के टीजर में दिखाया गया है कि एक बच्चा है जो स्कूल में पढ़ता है। उसे कुछ महीनों में स्कूल बदलना पड़ता है। वह यह बात किसी को नहीं बताता है। अगर किसी को यह बात पता चल गई, तो पृथ्वी पर हमला हो सकता है। इसकी वजह यह है कि उसके दादा खास हैं। उनके पास सुपरपावर है। टीजर के आखिर में नजर आता है कि लड़के के दादा का किरदार जैकी श्रॉफ ने किया है।

लाइफ Style

तमन्ना

गफूर सॉन्ग पर किया जबरदस्त डांस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आर्यन खान की फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'के गाने 'गफूर' ने रिलीज के बाद से ही काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जिसकी वजह है इस गाने में तमन्ना भाटिया का बोल्ड डांस। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें तमन्ना फिर से 'गफूर' गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं।

तमन्ना भाटिया का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में तमन्ना ने गुलाबी चमचमाती ड्रेस पहनी हुई है। यह किसी कार्यक्रम के दौरान का वीडियो लग रहा है, क्योंकि तमन्ना स्टेज पर डांस कर रही हैं और उनके पीछे कई जूनियर आर्टिस्ट भी उनके साथ ताल में ताल मिलाते नजर आ रही हैं। तमन्ना का 'गफूर' गाने पर यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिस पर यूजर्स लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ तमन्ना के इस डांस को पसंद कर रहे हैं, तो कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं।कई यूजर्स ने लिखा- 'किस किस को ये बिल्कुल पसंद नहीं है'। 'इस गाने पर किस किस को फरहाना भट्ट का डांस याद आया'। मेरी पसंदीदा एक्ट्रेस। वाह वाह वाह क्या डांस किया है। कितनी खूबसूरत, तो वहीं कई फैंस ने तमन्ना के इस वीडियो पर फायर और लाल दिल वाले इमोजी भी बनाएं हैं। फिल्म 'वीवनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मलहोत्रा भी मुख्य भूमिका में होंगे। इस हॉरर फिल्म की कहानी पुराने जंगलों पर आधारित है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

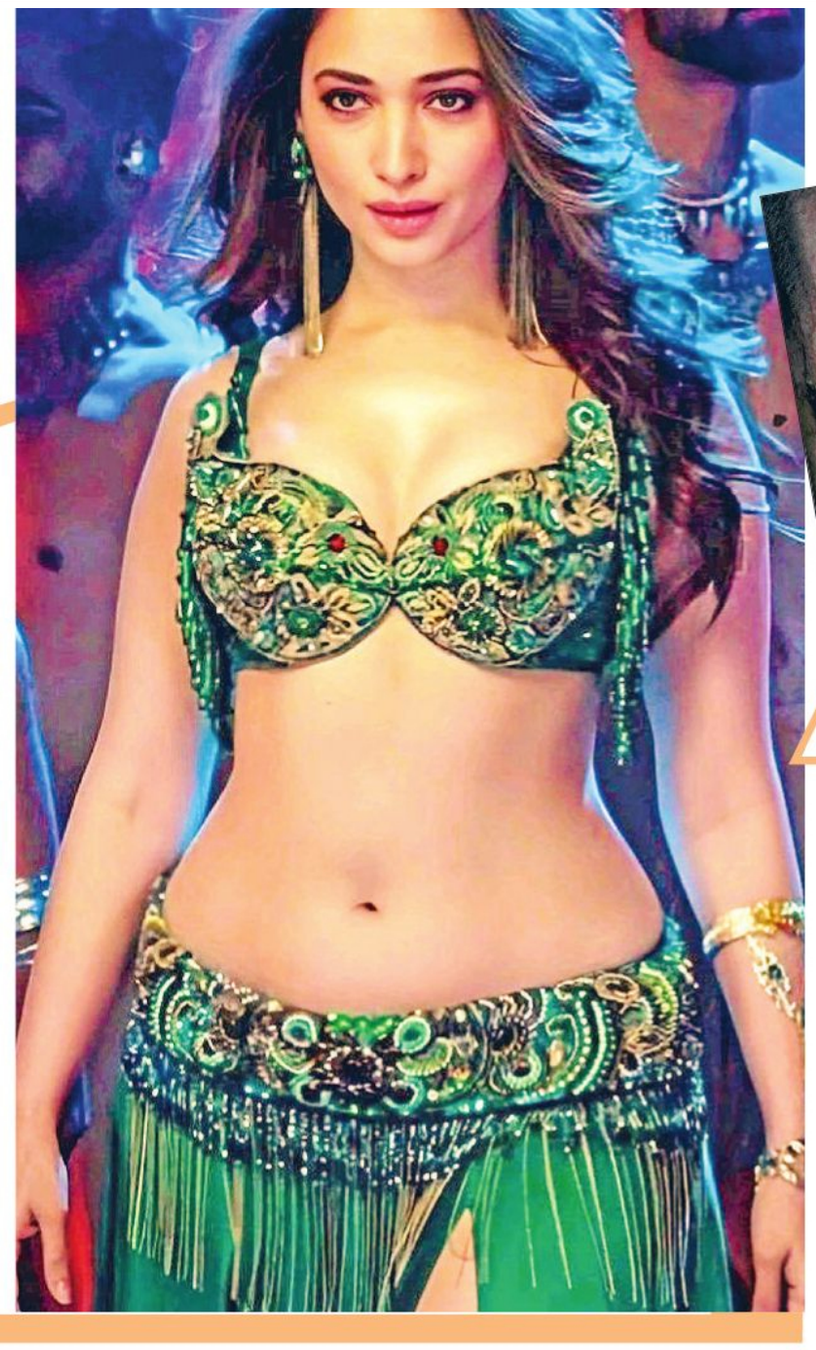

हॉलीवुड मसाला

ड्यून-3 की मिली पहली झलक

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म 'ड्यून'के दोनों पार्ट्स ने अच्छा-खासा कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर किया था। इस फ्रैंचाइज की तीसरी कड़ी का इंतजार दर्शकों को काफी समय से है। मेकर्स ने मंगलवार को फिल्म के कैरेक्टर्स से जुड़े कई फर्स्ट लुक शेयर किए हैं। इस फर्स्ट लुक में कई चर्चित किरदार नजर आए, जिन्हें नामी हॉलीवुड एक्टर्स ने निभाया है। मेकर्स ने एक्टर टिमोथी चालमेट से लेकर रॉबर्ट पैटिंसन के अलावा कई एक्टर्स के लुक शेयर किए हैं।

ऑस्कर में पहुंचने से पहले बाल-बाल बचे निक-प्रियंका

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल पॉवर कपल निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में भाग लेकर एक बार फिर फैंस की धड़कनें बढ़ा दीं। मगर इस आइकॉनिक मूमेंट के होने से ठीक पहले दोनों एक हादसे के शिकार होने से बचे। 98वें ऑस्कर अवॉर्ड में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस भी हिस्सा लेने पहुंचे थे। रेड कार्पेट पर जाने के लिए कपल काफी लेट था। ऐसे में दोनों को मेन गेट से अंदर तक जाने के लिए एक गोल्फ कार्ट तैयार थी। निक और प्रियंका उसमें बैठे और जैसे ही ड्राइवर कार्ट को मोड़ा तो उसका बैलेंस बिगड़ गया। इस दौरान गोल्फ कार्ट का एक पहिया जमीन से हवा में उठ गया। ऐसे में बैलेंस बनाने के लिए तुरंत निक और प्रियंका ने कार्ट को जोर से पकड़ा। ड्राइवर ने भी कुछ ही सेकेंड में कार्ट पर काबू पा लिया और हादसा टल गया।

फैमिली संग बर्थडे मनाकर मुंबई लौटीं आलिया

मुंबई। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने 33वें जन्मदिन का जश्न विदेश में मनाया। वे परिवार के साथ हांगकांग पहुंचीं। मंगलवार को जब वे मुंबई आईं तो हमेशा की तरह पैप्स ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान रणबीर ने एक मजेदार सवाल किया। इस खूबसूरत जोड़ी को साथ देख हमेशा की तरह पैपराजी उन्हें कैमरे में कैद करने दौड़ पड़े। इस दौरान रणबीर कपूर ने मजेदार अंदाज में पैप्स से सवाल किया। रणबीर कपूर अपनी पत्नी आलिया का जन्मदिन सेलिब्रेट कर मुंबई लौट आए हैं। कपल को साथ देख पैपराजी भी वहां जुट गए और आलिया को जन्मदिन की बधाई देने लगे। इस दौरान रणबीर ने पैप्स से सवाल किया, 'केक नहीं लाए?' 'केक किधर है'? रणबीर के इस सवाल पर आलिया भी मुस्कुरा उठीं। साथ ही पैपराजी भी हंसने लगे।

तुम चांद देख लेना का टीजर रिलीज...

मुंबई। सलमान खान की आगामी फिल्म का नाम हाल ही में 'मातृभूमिः में वॉर रेस्ट इन पीस' बताया गया है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवां' रखा गया था। मंगलवार को फिल्म का एक रोमांटिक गाना 'तुम चांद देख लेना' का टीजर जारी किया गया है। जिसमें सलमान और चित्रांगदा नजर आ रहे हैं। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के बीच एक ऐसे रोमांटिक पहलू को दिखाया गया है, जो इस फिल्म में इन दोनों की रोमांटिक प्रेम कहानी को बयां करता है। इस गाने में चित्रांगदा गुलाबी ड्रेस में सजी-धजी, सलमान का इंतजार करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि सलमान खान पास ही में उनके सामने इस गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में चमकता हुआ चांद दिखाई दे रहा है।

टीवी मसाला

'24' सीजन 3 में अनिल फिर बनेंगे आईटीयू चीफ

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर जहां एक ओर 'सूबेदार' में अपने एंग्री ओल्ड मैन वाले अंदाज को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं, उन्होंने एक्स पर कंफर्म किया है कि 10 साल बाद वह एक बार फिर से '24' सीजन 3 में जय सिंह राठौड़ बनकर लौट रहे हैं। एक फैन के 'सूबेदार' से जुड़े पोस्ट पर उन्होंने यह पुष्टि की है। 24, इसी नाम की अमेरिकी सीरीज का देसी रीमेक है, जिसका पहला सीजन 2013 में और फिर दूसरा सीजन 2016 में ऑन-एयर हुआ था। शो में अनिल कपूर का किरदार जय सिंह राठौड़, आईटीयू का चीफ है, जो अपने परिवार और देश को एक आतंकवादी हमलों से बचाने के लिए समय के विरुद्ध लड़ाई लड़ता है। दोनों सीजन में जय के पास केस को सुलझाने और दुश्मनों को पकड़ने के लिए 24 घंटे का वक्त रहता है। सीजन-3 की कहानी भी इसी तरह के प्लॉट पर आगे बढ़ेगी। अभिनय देव के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में साक्षी तंवर ने जय की बॉस मल्लिका सेन, सुरवीन चावला ने उनकी प्रेमिका माया और सिकंदर खेर ने हारून शेरचान की भूमिका निभाई थी। नील भूपालम ने आदित्य सिंघानिया का किरदार निभाया, जो देश के प्रधानमंत्री का था। हालांकि, अभी यह कंफर्म नहीं है कि सीजन-3 में इनमें से कितने किरदार पर्दे पर वापसी करेंगे। '24' सीजन 2 की कहानी में जय, एक आतंकवादी मास्टरमाइंड रोशन शेरचन (आशीष विद्यार्थी) और उसकी साथी शिवानी मलिक (साक्षी तंवर) को गिरफ्तार करवा लेता है।

दुल्हन बनीं कृतिका को देख रो पड़े गौरव

नई दिल्ली। कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी का बेहद प्यारा वीडियो सामने आया है, जो चर्चा में है। कृतिका ने जब दुल्हन बन साड़ी में पापा संग एंट्री की, तो गौरव रो पड़े। उन्हें देख कृतिका हैरान रह गईं। वीडियो में कृतिका और गौरव की शादी की रस्मों और वरमाला की भी झलक है। शादी के बाद जहां कृतिका और गौरव ने तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीता, वहीं पपाराजी को मिठाइयां भी बांटी थीं। सोशल मीडिया अभी भी कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी की तस्वीरों-वीडियो से पटा पड़ा है। इसी बीच न्यूली वेड कपल ने शादी का बेहद प्यारा और इमोशनल वीडियो सामने आया है। इसमें गौरव कपूर दुल्हन बनीं कृतिका को देख रोते नजर आए। शेयर किए गए वेडिंग वीडियो में उन खास पलों और रस्मों की झलक दिखाई गई है, जो कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी में हुईं।

सरके चुनर तेरी गाने ने अश्लीलता की हदें पार की, बॉलीवुड पर लगे लगाम : कंगना

मुंबई। नोरा फतेही और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'केडीः द डेविल' का गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' रिलीज के बाद अपने आपत्तिजनक बोल और कोरियोग्राफी के कारण विवादों में घिर गया है। इस गाने के सेंसर बोर्ड से पास होने को लेकर भी विवाद है। अब अभिनेत्री और राजनेता कंगना रनौत ने भी इस गाने की कड़ी आलोचना करते हुए बॉलीवुड पर 'अश्लीलता' की हदें पार करने का आरोप लगाया है। कंगना ने कहा, 'बॉलीवुड ने अश्लीलता, हथकंडों और ध्यान आकर्षित करने के मामले में सारी हदें पार कर दी हैं। पूरा देश उनकी निंदा और आलोचना कर रहा है। लेकिन, मुझे नहीं लगता कि उन्हें कोई शर्म है। इस तरह की अश्लीलता और अभद्रता के प्रदर्शन पर और भी सख्ती बरतने की जरूरत है। मुझे लगता है कि बॉलीवुड पर कड़ी लगाम लगानी होगी। कंगना से पहले भी कई लोगों ने इस गाने के बोलों पर आपत्ति जताई है।

गायक अरमान मलिक ने भी गाने के बोल सुनकर हैरानी जताई। अपने एक्स अकाउंट पर उन्होंने कहा कि बोल सुनकर उन्हें वीडियो दोबारा देखना पड़ा, क्योंकि उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि उन्होंने क्या सुना है। कमर्शियल गानों में लिरिक्स का स्तर नए निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस हद तक गिरते देखकर दुख होता है। 'सरके चुनर तेरी सरके' आगामी पैन इंडिया कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' का हिस्सा है, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। गीत की शुरुआती पंक्तियां दोहरे अर्थों वाली हैं, जिनमें यौन संबंध का काफी विस्तृत वर्णन किया गया है।

आयुष्मान ने गाया साड्डी गली का नया वर्जन...

मुंबई। एक्टर-सिंगर आयुष्मान खुराना ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए अपने मशहूर गाने 'साड्डी गली' का एक नया वर्जन रिलीज किया है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आयुष्मान ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गिटार बजाते हुए इस नए वर्जन को गाते हुए नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए आयुष्मान ने लिखा 'पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं कि आप में से बहुत से लोग मेरे म्यूजिक पर वीडियो बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी यादें शेयर कर रहे हैं। इससे मुझे भी पुरानी बातें याद आ गईं, इसलिए मैंने 'साड्डी गली' का एक ऐसा अनसुना वर्जन शेयर करने का फैसला किया, जो ओरिजिनल गाने में शामिल नहीं हो पाया था।' एक्टर ने फैंस को यह भी हिंट दी कि इस साल वह और भी म्यूजिकल पीस लेकर आएंगे। उन्होंने कहा 'इस साल मैं और भी गाने गाऊंगा।' आयुष्मान का यह वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो देखकर कई फैंस खुश हुए और इसकी तारीफ की। आयुष्मान खुराना के गाने उनके फैंस के लिए पहली पसंद रहे हैं। उनकी फिल्म 'विकी डोनर' के गाने 'पानी दा रंग' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। उन्होंने 'मिट्टी दी खुशबू', 'इक वारी', 'साड्डी गली' और ऐसे ही कई और गाने गाए हैं। आयुष्मान जल्द ही 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई, 2026 को रिलीज होगी। आने वाली फिल्म में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। इसके निर्देशक मुदस्सर अजीज हैं।

पीकी ब्लाइंडर्सः द इम्मोर्टल मैन में दिखाई गई है बदले की कहानी

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। इन दिनों सिनेमाघरों में कोई ऐसी बड़ी फिल्म नहीं है, जो दर्शकों को अपनी तरफ बुला सके। 19 मार्च को 'धुरंधर 2' बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। इस बीच इस हफ्ते कई फिल्में और सीरीज ओटीटी पर रिलीज होने वाली हैं।

चिरैया : दिव्या दत्ता और संजय मिश्रा की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'चिरैया' 20 मार्च को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। दर्शकों को इसका ट्रेलर पसंद आया है। इसमें शादी और रजामंदी का मुद्दा उठाया गया है। इसमें टीनू आनंद, प्रसन्ना विष्ट, सिद्धार्थ शॉ, फैसल राशिद और सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं।

जैज सिटी : टीवी सीरीज 'जैज सिटी' 19 मार्च को सोनी लिव पर दस्तक देगी। पॉलिटिकल थ्रिलर सीरीज बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान, 1971 के कलकत्ता की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसके निर्देशक, लेखक और निर्माता सौमिक सेन हैं। इसमें सौरासेनी मैत्रा, शांतनु घटक, अनिरुद्ध गुप्ता और एलेक्जेंड्रा टेलर अहम भूमिकाओं में हैं।

कासरगोड एंबेसी : मलयालम वेब सीरीज 'कासरगोड एंबेसी' 20 मार्च से जी5 मलयालम पर स्ट्रीम होगी। सात एपिसोड वाली इस सीरीज में नकली पासपोर्ट बनाने वालों के रैकेट के बारे में दिखाया गया है। इसमें अबू सलीम, गोविंद पाई, कबीर दुहान, रॉनी डेविड और दीपक परमबोल जैसे कलाकार हैं। इसके निर्देशक आतिश एम नायर हैं।

फ्यूरीज सीजन 2 : वेब सीरीज 'फ्यूरीज सीजन 2' 18 मार्च को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। इसमें मुख्य कलाकार पेरिस में एक दमनकारी शासन से टकराएंगे। इसमें लीना अल अरबी, मरीना फोइस अहम किरदारों में होंगे। सीरीज का पहला सीजन नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

डेडलॉक : वेब सीरीज 'डेडलॉक' का दूसरा सीजन 20 मार्च 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा। इसमें छह एपिसोड होंगे। यह जासूसी सीरीज है। इसमें केट बॉक्स, मैडलीन सामी, नीना ओयामा, और एलिसिया गार्डिनर अहम किरदारों में हैं।

पीकी ब्लाइंडर्सः द इम्मोर्टल मैन : 'पीकी ब्लाइंडर्सः द इम्मोर्टल मैन' एक ब्रिटिश फिल्म है। इसमें बदले की कहानी दिखाई गई है। यह 20 मार्च को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसके निर्देशक टॉम हारपर हैं। इसमें किलियन मर्फी, रेबेका फर्ग्यूसन, टिम रोथ, स्टीफेन ग्राहम, और सोफी रंडल अहम किरदारों में होंगे।

द राइज ऑफ द रेड हॉट चिली पेपर्सः अवर ब्रॉदर, हिलेल

93 मिनट की यह डॉक्यूमेंट्री रेड हॉट चिली पेपर्स के शुरुआती वर्षों और मूल गिटारिस्ट हिलेल स्लोवाक के प्रभाव को दर्शाती है। उनकी 1988 में ड्रग की ओवरडोज से मृत्यु हो गई थी। यह 20 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

इंपरफेक्ट वुमन : 'इंपरफेक्ट वुमन' साइकोलोजिकल थ्रिलर टीवी सीरीज है, जो 18 मार्च को एप्पल टीवी पर स्ट्रीम होगी। इसमें दिखाया गया है कि एक अपराध का वर्षों पुरानी दोस्ती पर असर पड़ता है। यह सीरीज अरामिंटा हॉल के नॉवेल 'इंपरफेक्ट वुमन' पर आधारित है। इसमें एलिजाबेथ मॉस, केरी वॉशिंगटन, केट मारा, जोएल किन्नामन और कोरी स्टॉल अहम किरदारों में होंगी।

रेडियोएक्टिव इमरजेंसी : 'रेडियोएक्टिव इमरजेंसी' एक ब्राजीलियन डॉक्यूड्रामा सीरीज है। यह 18 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। यह 1987 में ब्राजील में हुई रेडियोधर्मी दुर्घटना का नाटकीय रूपांतरण है। इसमें जॉनी मासारो, पाउलो गोर्गुल्हो, तुका एंड्राडा और एंटोनियो सबोइया अहम किरदारों में हैं।

अमोर एनिमल : वेब सीरीज 'अमोर एनिमल' एक अर्जेंटीनाई रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। यह 20 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। इसमें एक गरीब आर्टिस्ट और एक अमीर लड़की की कहानी दिखाई गई है। इसमें तात्याना ग्लिकमैन, फ्रैंको मासिनी, सैंटियागो अचागा, वैलेंटिना जेनेरे और ओलिविया नस जैसे कलाकार हैं।

सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में दमखम दिखाएंगे म्हारे 17 पहलवान

रोहतक

सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के लिए प्रदेश के 17 के पहलवानों का चयन हुआ है। इसमें ग्रीको रोमन 6 महिला और 6 पुरुष पहलवान, जबकि फ्री स्टाइल में 5 पुरुष पहलवान शामिल हैं। मंगलवार को सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप की ट्रायल आयोजित की गई। लड़कियों की ट्रायल दिल्ली में आयोजित की गई। वहीं, लड़कों की ट्रायल लखनऊ में आयोजित की गई। रेसलिंग हरियाणा संघ के अध्यक्ष रमेश ने चयनित पहलवानों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप 6 से 12 अप्रैल को किर्गिस्तान में आयोजित की जाएगी। कोच रणबीर ढाका, कोच मनदीप और कोच सचिन ने भी चयनित खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

हरियाणा के खिलाड़ियों का चयन

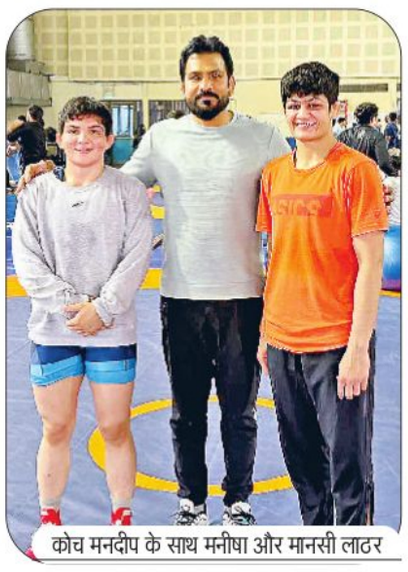
कोच मनदीप के साथ मनीषा और मानसी लाठर

कोच के साथ प्रिंस

6 बेटियां और 6 बेटे ग्रीको रोमन और 5 पहलवानों का फ्री स्टाइल में चयन

सुनील जयदीप

चयनित	खिलाड़ी
महिला वर्ग	(फ्री स्टाइल)
वेट	पहलवान
▶▶53 किग्रा	मीनाक्षी
▶▶55 किग्रा	हंसिका
▶▶57 किग्रा	मनीषा
▶▶59 किग्रा	नेहा
▶▶68 किग्रा	मानसी लाठर
▶▶76 किग्रा	काजल
पुरुष वर्ग	(ग्रीको रोमन)
वेट	पहलवान
▶▶60 किग्रा	साहिल
▶▶63 किग्रा	सन्नी
▶▶72 किग्रा	अनिल
▶▶82 किग्रा	प्रिंस
▶▶87 किग्रा	सुनील
▶▶130 किग्रा	जोगेंद्र राठी
पुरुष वर्ग	(फ्री स्टाइल)
वेट	पहलवान
▶▶65 किग्रा	सुजीत
▶▶70 किग्रा	अभिमन्यु
▶▶74 किग्रा	जयदीप
▶▶92 किग्रा	पुनित कुमार
▶▶125 किग्रा	दिनेश

(87 किलोग्राम में सुनील रेलवे की ओर से खेलते हैं, लेकिन मूलरूप से सोनीपत जिले का निवासी है।)

आईपीएल 2026

सूर्यवंशी और जायसवाल करेंगे आरआर की पारी का आगाज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़ गए हैं। राजस्थान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे।

30 मार्च को भिड़ेंगे आरआर और चेन्नई सुपर किंग्स

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स अपने अभियान का आगाज 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ करेगी। पिछले सीजन राजस्थान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम 14 मुकाबलों में से सिर्फ 4 में ही जीत दर्ज कर सकी थी। राजस्थान ने 9वें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान ने रियान पराग को कप्तान बनाया है। राजस्थान की ओर से इस बार रवींद्र जडेजा और सैम करन खेलते हुए दिखाई दे देंगे। यशस्वी जायसवाल ने अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया था। यशस्वी ने 14 मुकाबलों में 159 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 559 रन बनाए थे। इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 6 अर्धशतक लगाए थे।

मुंबई इंडियंस स्क्वाड से जुड़े रोहित

आईपीएल के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल के नए सीजन के लिए स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के स्क्वाड से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में एमआई ने बताया कि हिटमैन नए सीजन से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं! मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा का एक और वीडियो जारी कर कहा था कि मुंबई का बादशाह आ चुका है। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा काफी लंबे वक्त से खेल रहे हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस पांच बार आईपीएल चैंपियन बन चुकी है। आईपीएल में रोहित शर्मा के पास काफी अनुभव है, जिसका फायदा एमआई को मिलता है। मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को आईपीएल 2026 के लिए 16.30 करोड़ रुपए में रिटेन किया है।

प्री-सीजन कैंप में गुजरात टाइटंस की तैयारी जोरों पर

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम आईपीएल के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं। आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी। गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है।

खबर संक्षेप

टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारुपः प्रतिका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारुप बताया है। प्रतिका ने कहा, टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारुप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारुप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारुप के लिए तैयार किया है।

चीन को हराकर ऑस्ट्रेलिया की फाइनल में एंट्री

पर्थ। सैम केर के दूसरे हाफ में दागे गोल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गत चैंपियन चीन को 2-1 से हराकर महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। मध्यांतर तक मुकाबला 1-1 से बराबर था, जिसके बाद चेल्सी की अनुभवी फारवर्ड केर ने 58वें मिनट में बाएं पैर से शॉट लगाकर गोल दागकर स्कोर 2-1 किया, जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। इससे पहले केटलिन फूर्ड ने 17वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई थी जबकि चीन ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर दागे झांग लिनयेन के गोल से बराबरी हासिल की।

अमेरिका के 7 शहरों में होंगे ओलंपिक के फुटबॉल मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने, जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे।

वाडा लगा सकता है खेल स्पर्धाओं में ट्रंप पर बैन

न्यूयॉर्क। यह सुनने में भले अजीब सा लगे लेकिन विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी (वाडा) एक ऐसा नियम लागू करने पर विचार कर रही है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सभी अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है, भले ही उनका आयोजन अमेरिकी धरती पर ही क्यों न हो। अमेरिका में अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इनमें इस साल होने वाला फुटबॉल विश्व कप, 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेल और 2034 में यूटा में होने वाले शीतकालीन खेल भी शामिल हैं।

टी20 सीरीज : दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर सिमटी

न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराया, सीरीज में की बराबरी, फर्ग्यूसन-सीयर्स की घातक गेंदबाजी

एजेंसी ▶▶ हैमिल्टन

सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया, जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी, जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए।

द.अफ्रीका की खराब शुरुआत

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी द.अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 12 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हुए। वियान मुल्डर भी 16 रन बनाकर मिचेल सैंटनर का शिकार बने। टॉनी डी जॉर्जी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा, और वह 4 गेंदों में सिर्फ एक ही बना सके। रुबिन हरमन 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जेसन स्मिथ 12 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर बेन सियर्स को कैच देकर पवेलियन लौटे।

बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन खराब : केशव महाराज

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने कहा, 'मुझे लगा कि हमने एक समय तक बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन खराब रहा। खेल आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो गया था।' तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

लिंडे ने 275 के स्ट्राइक रेट से ठोके रन

दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तूफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। हाल ही में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन जबकि फर्ग्यूसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए।

चोट के कारण सीरीज से बाहर हुए जॉर्डन हरमन

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हरमन हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं,

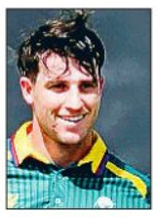

जिसके चलते अब वह बचे हुए 4 टी20 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। रविवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में ही जॉर्डन हरमन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। इस मुकाबले में फील्डिंग करते हुए हरमन चोटिल हो गए थे। हरमन के स्कैन में ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है। हालांकि, प्रोटियाज टीम ने अभी तक हरमन के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने पुष्टि करते हुए कहा, जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बाकी मैच से दाईं हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर हो गए हैं।

लॉस एंजिलिस-2028

स्क्वाश का ओलंपिक में पदार्पण पदक जीतना मेरा सपना : अनाहत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा।

अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। अनाहत ने कहा, ' बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते।' अनाहत ने कहा, 'अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं।'

कारपोरेट जगत भी स्क्वाश की ओर आकर्षित : रमित

भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा, 'यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है, जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।' टंडन ने कहा, 'ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है।'

हरिहरन-अर्जुन युगल के दूसरे दौर में, आकर्षी ने ओरलियंस मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया

ओरलियंस। हरिहरन अम्साकरुनन और एम आर अर्जुन की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि आकर्षी कश्यप ने क्वालीफाइंग दौर में दो जीत दर्ज कर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन के खिलाफ चेक गणराज्य के जिरी क्राल और ओन्ड्रेज क्राल की जोड़ी पहले गेम में 10-21 से हारने के बाद मुकाबले से हट गई। पिछले साल अल ऐन मास्टर्स सुपर 100, तुर्किये इंटरनेशनल चैलेंज और तेलंगाना इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज खिताब जीतने वाली यह भारतीय जोड़ी अब स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल की जोड़ी से भिड़ेगी। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज आकर्षी ने पहले मुकाबले में हमवतन श्रीयांशी वलीशेट्टी को 21-19, 17-21, 21-13 से हराया और फिर अगले मैच में ताइपे की ली वाई एच को 21-17, 21-19 से मात दी। अब उनका मुकाबला सिंगापुर की येओ जिया मिन से होगा। पुरुष एकल के क्वालीफाइंग राउंड में एस सुब्रमणियन को मलेशिया के ली जी जिया से 12-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। ली जी जिया पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं और 2025 सत्र में चोटों से जूझने के बाद वापसी का प्रयास कर रहे हैं। महिला युगल में, भारतीय जोड़ी अश्विनी भट के और शिखा गौतम को रुई हिरोकामी और सायका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ वॉकओवर मिला।

वनडे रैंकिंग

स्मृति शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत ने लगाई छलांग, पहुंची सातवें स्थान पर

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ।

जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर

21वें स्थान से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं और बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी दोनों में 600 से अधिक रेटिंग अंक हासिल किए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड की इसाबेल गेज भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 61वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

टी20 में अमेलिया ने हासिल की 694 रेटिंग

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कप्तान अमेलिया केर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ माउंगानुई में खेले गए पहले मुकाबले में 44 गेंदों पर 78 रन की पारी खेलकर करियर के सर्वश्रेष्ठ 694 रेटिंग अंक हासिल की हैं। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकरार हैं। जॉर्जिया प्लिमर ने 63 रन की पारी खेलकर अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह 50वें से 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लेने के प्रदर्शन के दम पर 11 स्थान की छलांग लगाकर 23वां स्थान हासिल किया है।

टी20 विश्व कप 2024 में अनुभवी जोश कारगर साबित हुआ था

युवाओं के जोशीला जुनून से जीते विश्वकप : सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्व कप की दो चैंपियन टीमों की तुलना करते हुए कहा कि 2024 की टीम के खिलाड़ियों में आईसीसी ट्रॉफी के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को खत्म करने के लिए 'अनुभवी जोश' था, जबकि इस साल खिताब का बचाव करने वाली टीम के पास 'युवाओं का जोशीला जुनून' था।

सूर्यकुमार ने ट्रॉफी जीतने वाली दोनों टीमों के बीच मामूली अंतर पर बात की। वह 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे। उस टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल थे। बारबाडोस में मिली जीत के बाद इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के सबसे छोटे

प्रारुप से संन्यास ले लिया था । इसके बाद टीम की कमान निर्भीक सूर्यकुमार ने संभाली, जिन्होंने टी20 में भारत के खेल को अगले स्तर पर पहुंचाया। सूर्यकुमार ने दोनों टीमों की तुलना करते हुए कहा, 'दोनों टीमों में बस उन्नीस बीस का फर्क था। वो एक्सपीरियंस (अनुभव) वाला जोश था, इधर एकदम खून गरम था लड़कों का।'

हमारे पास अनुभव कम लेकिन उत्साह अधिक

सूर्यकुमार ने ने कहा, ' जहां तक इस साल की बात है तो मैं कह सकता हूं कि हमारे पास अनुभव कम था लेकिन उत्साह अधिक था। अधिकतर खिलाड़ी 25 से 27 साल के हैं। उन्हें यह समझाना जरूरी था कि भारत में विश्व कप जीतने का अनुभव कैसा होता है, वह भी तब जबकि स्टेडियम में 50,000 लोग, एक लाख लोग आपका हौसला बढ़ा रहे होते हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा, ' उस समय कैसा महसूस होगा, खिलाड़ियों को यह बताना जरूरी था। अन्यथा मेरे विचार से अगर टीमों के कौशल को देखें तो टी20 प्रारुप में मामूली अंतर ही होता है। लेकिन मुझे लगता है कि इस बार खिलाड़ियों में अधिक जोश था।'

क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक किए हासिल

सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। सूर्यकुमार ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'मुझे लगता है कि स्कूल और कॉलेज में मैंने, जो प्रतिशत हासिल करने की कोशिश की वह अब मुझे क्रिकेट में मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'वहां (स्कूल या कॉलेज में) मैं कभी 50-60 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। लेकिन यह (जीत की दर 80 प्रतिशत) सुनकर वास्तव में बहुत अच्छा लग रहा है। मैं वैसे आंकड़ों पर बहुत ज्यादा गौर नहीं करता हूं लेकिन किसी को भी किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं होता और मुझे भी जीतना पसंद है।'

इजराइली सेना का बड़ा दावा

हमले में ईरानी सुरक्षा प्रमुख लारीजानी की मौत, कमांडर सुलेमानी भी मारे गए

सेना ने बताया कि सुलेमानी को एक टेंट कैंप में निशाना बनाया गया। इस हमले में सुलेमानी के साथ बासिज फोर्स के डिप्टी कमांडर और कई अन्य बड़े अधिकारी भी मारे गए हैं। बासिज फोर्स को ईरान में विरोध प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने के लिए जाना जाता है

अली लारीजानी

गुलामरेजा सुलेमानी

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

श्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के ाच जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा ा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह घर्ष अब 18वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र तनाव चरम पर है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल ाट्ज ने दावा किया है कि बीती रात ईरान में हुए वाई हमले में अली लारीजानी की मौत हो गई है। जराइली सेना (आईडीएफ) ने ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा रिषद के सचिव अली लारीजानी को निशाना नाकर यह हमला किया था। लारीजानी ईरान के पूर्व र्वोच्च नेता अली खामेनेई के बहुत करीबी माने जाते । इन हमलों में इजराइली सेना ने बासिज फोर्स के मांडर गुलामरेजा सुलेमानी के मारे जाने का भी वा किया है। सेना ने बताया कि सुलेमानी को एक ट कैंप में निशाना बनाया गया। इस हमले में लेमानी के साथ बासिज फोर्स के डिप्टी कमांडर ौर कई अन्य बड़े अधिकारी भी मारे गए हैं। बासिज ोर्स को ईरान में विरोध प्रदर्शनों को बेरहमी से चलने के लिए जाना जाता है। उन पर कई ईरानी ागरिकों की हत्या का आरोप भी थे।

लारीजानी पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के बहुत करीबी

बासिज फोर्स के कई अन्य बड़े अधिकारी भी मारे गए

सुलेमानी पर कई ईरानी नागरिकों की हत्या का आरोप

इजराइली सेना के लेबनान की राजधानी बेरुत के दहिया क्षेत्र में मिसाइल से क्षतिग्रस्त इमारत

इजराइली पीएम कार्यालय का ट्वीट

अली लारीजानी के मारे जाने के दावों के बीच इजराइल के पीएम कार्यालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। इसके कैप्शन में लिखा था कि, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरानी शासन के बड़े अधिकारियों को खत्म करने का आदेश देते हुए।

अबु धाबी में एक की मौत

ईरान और अमेरिका-इजराइल की जंग में यूएई को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मंगलवार को अबु धाबी के बानी यास इलाके में एक मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि बैलेस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया था, लेकिन उसके मलबे की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मोजतबा खामेनेई बोले- ईरान अपने दुश्मनों से बदला लेकर रहेगा

ईरान के नए प्रमुख मोजतबा खामेनेई ने दो मध्यस्थ देशों के जरिए भेजे गए सीजफायर के

प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। अपनी पहली विदेश नीति बैठक में खामेनेई ने युद्ध में मारे गए लोगों का बदला लेने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि ईरान अपने दुश्मनों से बदला लेकर रहेगा। अब तक बदले की कार्रवाई का एक सीमित हिस्सा दिखा है, लेकिन जब तक पूरा बदला नहीं लिया जाता, यह हमारी प्राथमिकता बनी रहेगी। खामेनेई ने यह भी साफ किया कि ईरान कभी पीछे नहीं हटेगा और पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। उन्होंने कहा कि बदला सिर्फ अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस नागरिक के लिए लिया जाएगा जिसने इस युद्ध में जान गंवाई।

अमेरिका ने ईरान पर और कड़े किए नियम

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ और सख्त कदम उठाए हैं। इसके तहत अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के ऊर्जा क्षेत्र पर बैन को और कड़ा करने के लिए बड़ा बिल पास किया है। तेहरान के साथ चल रहे तनाव के बीच अमेरिका की दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। इस नए बिल का नाम 'एन्हांस्ड ईरान सैंक्शन्स एक्ट' है, जो सीनेट में पास हो गया। इससे ईरान के तेल व्यापार और उसके ग्लोबल नेटवर्क पर दबाव बढ़ाने के लिए दोनों पार्टियों का बड़ा समर्थन दिखा।

युद्ध में 200 अमेरिकी सैनिक घायल

यूएस सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, अमेरिका और ईरान के युद्ध में लगभग 200 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से 10 की हालत गंभीर है। 180 सैनिक पहले ही ड्यूटी पर लौट चुके हैं। घायलों में जलने के जख्म, मस्तिष्क आघात और शेल के चोट के घाव शामिल हैं। सैन्य अधिकारियों के अनुसार अधिकांश घायलों की वजह ईरानी वन-वे ड्रोन रहे। फरवरी 28 से अब तक कम से कम 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है।

तेल निर्यात में आ सकती कमीः यूएस

व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने कहा है कि एशिया से अमेरिका को होने वाले तेल निर्यात में कमी आ सकती है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। उन्होंने संकेत दिया कि मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण एशियाई देश अपने निर्यात को सीमित कर सकते हैं। हैसेट ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत स्थिति में है।

संसद में एंटी ड्रोन तकनीक विकसित करने की मांग विपक्ष ने उठाई

राज्यसभा में दिखे शुक्ला के तेवर, दोनों सदनों में उठे सवाल, सरकार नई तकनीकों पर ध्यान दे

▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा में राजीव शुक्ला ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए रक्षा, विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक योजनाओं को लेकर आलोचना की। रक्षा मामलों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हालिया 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे उदाहरणों से स्पष्ट है कि आधुनिक युद्ध अब आसमान में लड़े जा रहे हैं, जहां मिसाइल और ड्रोन की भूमिका अहम है। ऐसे में सरकार को अपनी रणनीति बदलते हुए रिसर्च और नई तकनीकों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एंटी-ड्रोन तकनीक के विकास की भी जरूरत बताई और कहा कि पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार गिराने की घटनाएं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। एलपीजी संकट को लेकर उन्होंने सरकार के बयानों में विरोधाभास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले सरकार ने संकट से इनकार किया, लेकिन बाद में इसे स्वीकार किया गया।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब कीमतें बढ़ती थीं तो भाजपा नेता स्मृति ईरानी खुद सड़क पर सिलेंडर लेकर विरोध करती थीं। विदेश नीति पर भी राजीव शुक्ला ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले भारत सभी देशों के साथ संतुलित संबंध रखता था, लेकिन अब देश एक खास गुट के साथ जुड़ा नजर आ रहा है, जिससे कूटनीतिक संतुलन प्रभावित हुआ है। उन्होंने वाराणसी में मां अन्नपूर्णा की रसोई बंद होने का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि एलपीजी संकट नहीं है, तो ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हो रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर उन्होंने कहा कि 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन पर्याप्त नहीं है और आयुष्मान योजना में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हो रहा है। आर्थिक मुद्दों पर उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट मुनाफा 22.3 फीसदी बढ़ा है, लेकिन रोजगार नहीं बढ़ रहा। देश की संपत्ति और आय का बड़ा हिस्सा केवल शीर्ष 10 फीसदी लोगों के पास केंद्रित है, जिससे असमानता बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्होंने फसल बीमा योजना को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि यह योजना अब एक तरह का "स्कैंडल" बन चुकी है, जहां निजी कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, जबकि किसान नुकसान में हैं। उन्होंने रुपये की डॉलर के मुकाबले गिरती स्थिति पर भी चिंता जताई। शुक्ला ने सरकार से इन सभी मुद्दों पर जवाब देने और ठोस कदम उठाने की मांग की।

लोकसभा में ज्योत्सना महंत ने उठाया कोरबा में रेल सुविधाओं की कमी का मामला

लोकसभा में ज्योत्सना महंत ने छत्तीसगढ़ के कोरबा क्षेत्र में रेल सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार और रेलवे पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कोरबा का कोयला पूरे देश को रोशन करता है और रेलवे की आय में बड़ा योगदान देता है, लेकिन बदले में क्षेत्र को पर्याप्त यात्री सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरबा में रेलवे की प्राथमिकता केवल मालगाड़ियों को दी जा रही है, जबकि यात्री गाड़ियां घंटों आउटर पर खड़ी रहती हैं। इससे आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।ज्योत्सना महंत ने बताया कि सरकार ने बजट में कोरबा और बैकुंठपुर में नए रेलवे स्टेशन का प्रस्ताव रखा था और भूमि पूजन भी हो चुका है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ, जबकि इसे वर्ष 2021 तक ही तैयार हो जाना था। उन्होंने कोरबा से कटनी मार्ग पर एक भी सीधी ट्रेन नहीं होने पर भी उन्होंने चिंता जताई। महंत ने यह भी कहा कि कई ट्रेनें नागपुर तक आकर रुक जाती हैं, उन्हें कोरबा तक विस्तारित क्यों नहीं किया जा रहा, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।

असहमति को राष्ट्रद्रोह से न जोड़े सरकार आंदोलनों को कुचलना उचित नहीं

राज्यसभा में रजनी पाटिल ने देश में बढ़ती विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई और सरकार के रवैये को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाना उचित नहीं है और शांतिपूर्ण विरोध को सम्मान मिलना चाहिए। पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न वर्गों, युवा, किसान, महिला खिलाड़ी, आदिवासी और पर्यावरण कार्यकर्ता ने अपने-अपने मुद्दों को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों पर युवाओं ने विरोध किया, वहीं देश की महिला पहलवानों ने एक जनप्रतिनिधि के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग की थी। उन्होंने आगे कहा कि किसानों ने अपनी मांगों को लेकर लंबे समय तक आंदोलन किया, जबकि आदिवासी समुदाय ने जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इसके अलावा पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर भी आम जनता ने कई स्थानों पर प्रदर्शन किए।

पाटिल ने हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ युवाओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की, लेकिन उन्हें देश विरोधी करार देकर जेल में डाल दिया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि असहमति को देशद्रोह से जोड़ना उचित नहीं है। सरकार से अपील करते हुए रजनी पाटिल ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के प्रति उदार और संवेदनशील नीति अपनाई जानी चाहिए, ताकि नागरिक बिना भय के अपनी बात रख सकें। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पुलिस बल का प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना चाहिए और पहले संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान खोजने की कोशिश होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को सभी पक्षों—प्रदर्शनकारियों, संगठनों और संबंधित संस्थाओं—के साथ संस्थागत संवाद की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

कर्नाटक को रेलवे बजट में कम आवंटन पर राज्यसभा में उठे सवाल

राज्यसभा में नासिर हुसैन ने कर्नाटक को रेलवे बजट 2025–26 में मिले अपेक्षाकृत कम आवंटन का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि देश की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर्नाटक के साथ रेलवे निवेश के मामले में न्याय नहीं हो रहा है। हुसैन ने सदन में बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 के लिए कर्नाटक का संशोधित राज्य सकल घरेलू उत्पाद लगभग 30.7 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जिससे यह देश के सबसे बड़े राज्यीय आर्थिक केंद्रों में से एक बनता है। इसके बावजूद, रेलवे बजट में राज्य को केवल 7,564 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने यह भी कहा कि कई ऐसे राज्य, जिनकी अर्थव्यवस्था कर्नाटक से काफी छोटी है और जिनका कर योगदान भी कम है, उन्हें इससे कहीं अधिक रेलवे बजट मिला है। यह असमानता केंद्र और राज्यों के बीच संसाधनों के निष्पक्ष वितरण पर सवाल खड़े करती है। कर्नाटक में रेलवे नेटवर्क की स्थिति पर चिंता जताते हुए हुसैन ने बताया कि राज्य में वर्तमान में कुल रेलवे ट्रैक की लंबाई लगभग 3,089 किलोमीटर है, जो राज्य के भौगोलिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी के बिना उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसरों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक के कई रेलवे प्रोजेक्ट्स लंबे समय से फंड की कमी और मंजूरी में देरी के कारण अटके हुए हैं। इससे राज्य के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। हुसैन ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह कर्नाटक के साथ न्याय करते हुए रेलवे बजट में उचित बढ़ोतरी करे और लंबित परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी दे।

आयुष कार्ड को लेकर अस्पतालों की मनमानी पर राज्यसभा में उठे सवाल

राज्यसभा में प्रमोद तिवारी ने आयुष कार्ड धारकों के साथ अस्पतालों में हो रही कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना होने के बावजूद मरीजों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। तिवारी ने सदन में कहा कि अक्सर यह देखा जा रहा है कि जब मरीज आयुष कार्ड लेकर अस्पताल पहुंचते हैं, तो उनसे पहले नकद राशि जमा करवाई जाती है। जबकि योजना का उद्देश्य ही गरीब और जरूरतमंद लोगों को बिना आर्थिक बोझ के इलाज उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जब इस बारे में अस्पताल प्रशासन से पूछा जाता है, तो उनका जवाब होता है कि सरकार से भुगतान मिलने में कई साल लग जाते हैं, जिसके कारण उन्हें मरीजों से पहले ही पैसे लेने पड़ते हैं। इस स्थिति ने योजना की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मुद्दे पर प्रमोद तिवारी ने सरकार से दो महत्वपूर्ण सवाल पूछे। पहला, क्या उन अस्पतालों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी जो आयुष कार्ड को स्वीकार नहीं करते या उसके बावजूद मरीजों से नकद वसूली करते हैं? दूसरा, क्या नर्सिंग होम और अस्पतालों को सरकार द्वारा भुगतान की प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे?उन्होंने कहा कि यदि अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं मिलेगा, तो वे योजना के प्रति उदासीन रहेंगे और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाए, ताकि मरीजों को बिना किसी परेशानी के इलाज मिल सके।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण और प्रतिनिधित्व पर राज्यसभा में उठे सवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा में नीरज डांगी ने देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के कम प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज भी कई शीर्ष संस्थानों में फैकल्टी स्तर पर इन वर्गों की भागीदारी बेहद कम है, जो सामाजिक न्याय और समान अवसरों के सिद्धांतों के विपरीत है। सदन में अपने वक्तव्य के दौरान डांगी ने इस विषय पर तीन महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि सार्वजनिक संस्थान ही भारत की सामाजिक विविधता को प्रतिबिंबित नहीं करेंगे, तो फिर कौन करेगा? दूसरा, यदि प्रतिष्ठित संस्थानों में आरक्षण नीति का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है, तो इससे वंचित वर्गों को क्या संदेश जाएगा? तीसरा, जब शैक्षणिक नेतृत्व में समावेशिता की कमी है, तो समावेशी विकास की बात कैसे की जा सकती है? नीरज डांगी ने सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि सभी केंद्रीय वित्तपोषित संस्थानों में फैकल्टी प्रतिनिधित्व का देशव्यापी ऑडिट कराया जाए, जिससे वास्तविक स्थिति सामने आ सके और पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

मुद्रा योजना के 'तरुण प्लस' के तहत नहीं मिल रहे लोन

राज्यसभा में शक्तिसिंह गोहिल ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 'तरुण प्लस' श्रेणी में कम लोन वितरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी में 10 से 20 लाख रुपये तक के ऋण का प्रावधान है, जो उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने पहले लिया गया लोन सफलतापूर्वक चुका दिया हो। गोहिल ने बताया कि इसके बावजूद 'तरुण प्लस' कैटेगरी में बहुत कम लोगों को ऋण मिल रहा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि इसके पीछे क्या कारण हैं और इसे सुधारने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करे, ताकि योग्य लाभार्थियों को समय पर ऋण मिल सके।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष से मिली हरसिमरत, मान की शिकायत की

मान के खिलाफ यौन उत्पीड़न और महिलाओं की गरिमा को ठेस वाली टिप्पणी पर कार्रवाई हो

▶▶ नई दिल्ली

शिरोमणी अकाली दल की वरिष्ठ नेता और बठिंडा सांसद बीबा हरसिमरत कौर बादल ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर से मुलाकात कर पंजाब के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि लुधियाना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में महिलाओं के खिलाफ गलत बयान, अपमानजनक और यौन रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

हरसिमरत कौर बादल ने आयोग की अध्यक्ष से कहा कि यह बेहद जरूरी है ताकि एक कड़ा संदेश दिया जा सके कि महिलाओं को इस तरह वस्तु की तरह न देखा जा सकता। इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सांसद बादल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान विस्तार से बताया कि कैसे उन्होंने अपने दोस्तों के सामने एक लड़की के साथ रिश्ते का झूठा दावा किया था। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री ने उस लड़की को उसके कपड़ों के आधार पर उसका अपमान भी किया।

बठिंडा सांसद ने एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष से कहा कि जब किसी राज्य का सर्वोच्च अधिकारी सार्वजनिक रूप से संवेदनशील लोगों की सभा में महिलाओं के बारे इस तरह की बात करना कितना आपत्तिजनक है- और इसने एक खतरनाक संदेश दिया कि सार्वजनिक मनोरंजन और सस्ते रोमांच के लिए महिलाओं की गरिमा को कम किया जा सकता है और उनकी पहचान को केवल उनकी उपस्थिति तक सीमित कर दिया जा सकता है।

इस संबंध में कड़ा संदेश देना जरूरी बताया

कांग्रेस के आरोप निराधार, बजट में एसवाईएल के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधानः सैनी

▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2026-27 के प्रस्तावों में एस.वाई.एल. नहर के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, इसलिए विपक्ष का यह आरोप कि बजट में एस.वाई.एल. नहर का कहीं जिक्र नहीं है, पूरी तरह से निराधार है। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बजट अनुमान 2026-27 पर चर्चा के उपरांत जवाब दे रहे थे।

सैनी ने कहा कि बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के साथियों ने यह कहा कि वे तीन दिन से बजट भाषण पढ़ रहे हैं और उसमें एसवाईएल नहर का कहीं जिक्र नहीं है। इन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा के गठन के लगभग 60 वर्षों के इतिहास में ऐसा कोई बजट नहीं रहा, जिसमें एस.वाई.एल. का उल्लेख न किया गया हो। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बजट 2026-27 के दस्तावेज खंड-III,

जो कि पूंजीगत व्ययों का ब्यौरेवार अनुमान प्रस्तुत करता है, उसके पृष्ठ संख्या 204 पर स्पष्ट रूप से एस.वाई.एल. नहर का निर्माण के सब-हेड में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वर्ष 2005 से 2014 तक के दस वर्षों के कार्यकाल के बजट भाषणों के रिकॉर्ड के अनुसार केवल दो वर्षों 2005-06 और 2006-07 के बजट भाषण में ही एस.वाई.एल. नहर का उल्लेख किया था। बाकी 8 बजट भाषणों में एस.वाई.एल. शब्द का कहीं भी प्रयोग नहीं हुआ था। इतना ही नहीं, 10 में से केवल 2 वर्षों अर्थात 2013-14 और 2014-15 के बजट में एसवाईएल के निर्माण के लिए मात्र 10 लाख रुपये के बजट का प्रावधान किया था। बाकी आठ वर्षों में एक रुपए का भी प्रावधान इस सब- हेड के लिए नहीं किया था। सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने तो वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक हर साल 100 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। राज्यपाल द्वारा 20 फरवरी, 2026 को दिए गए अभिभाषण के पैरा नंबर-36 में भी एसवाईएल के बारे में कहा गया है कि मेरी सरकार के लिए हरियाणा के जल के अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्रतिबद्धता है। हम सतलुज-यमुना लिंक नहर बनाने के लिए पूर्णतः वचनबद्ध हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com